Daily
THE PHOTON EUSS

दफोटोन न्यूज Published from Ranchi



(Vill.: Bijay, Dist.: Seraikella-Kharsawan - 833220)

IFE, Seraikella is a pioneer in providing the best quality education in the rural belt of Seraikella-Kharsawan district of Jharkhand.

We provide four major courses which are









All the above courses are approved by NCTE, ERC (Bhubaneshwar) Approved by AICTE and JAC and affiliated to the Kolhan University.

De have also tied up with Sikkim Skills University and Fharkhand State Open University. The various courses under these are Pharmacy, PGDBIM, BA, B.Sc, B Com., INA and many other diploma courses in management.

We have another unit of IFE in the BSNL Office, Garamnala, Sakchi where we have currently procured the 2ndandthe 3rdfloor completely and we run Software courses like Web Designing, Web Development, Programming, Data analytics, SAP, GST Taxation, Soft Skills and communication Skills. This office is also the centre for various online entrance examinations conducted by IBPS, NTA and UGCNET.

IFE Academy is the coaching Centre run by the IFE Group. This is located in the heart of the city, LRoad, Bistupur, where the most renowned faculty of Commerce, Science and Humanities take classes. The results are astounding and most of the toppers are from our coaching institute.





Our Memoranda of Understanding

IFE, Seraikella has tied up with various international and national academic institutions and companies for the purpose of academic research and extension activities. For example:

- a. University Malaysia Pahang
- b. R.I.E Bhubaneshwar
- c. The Rainbow Tribe
- New Delhi
 d. Venturing Digitally Pvt Ltd
- e. Insurance Point Office
- f. Infinite Net Solutions
- g. Shubh Saawariya, Jharkhand
- h. HDFC

 i. Masterminds

Institute For Education (A Unit of Educational and Social Development) is one of the leading institution in Seraikella- Kharsawan district of Jharkhand which comes under IXth schedule of constitution. It is the First B.Ed. college that is creating a milestone by providing education to the children of rural areas.

It Started with B.Ed.Courses since 2014 and now ready for NAAC Accreditation . In 2024 BCA and BBA Courses approved from AICTE and One Innvation Cell was established by MHRD. Institute For Education is also providing Diploma Elementary Education and many short-term courses. In Short Term courses it is providing certificate and diploma courses such as Yoga, Beautician, Candle Making, Spoken English and Personality Development Course and Basic of Computers. Apart from this, it also offers different courses through Sikkim Manipal University which is an Academic Partner of Institute For Education. It also offers courses from Jharkhand State Open University as study centre of Jharkhand State Open university. Different computer courses, such as DOEACC and SAP, have been provided for the students not only for Kolhan region of jharkhand but also for the whole country.

Institute For Education not only equipped students through different courses but also provided 700 students with an authentic environment to inculcate and enhance the student's inherent potential and skills and providing them employability in different sectors .A dedicated group of student of NSS are actively participating in social work . Many courses are approved by NCTE, AICTE & Jharkhand Acadamic Council and affiliated by Kolhan University Chaibasa, Jharkhand (a Govt. University).

It has also conducted various National Seminars, Workshops and International Seminar to give in-hands- experiences to the students and teachers from all over world.

This institution is situated amidst the natural beauty of the countryside and the urban glamour of an industrial area of Seraikella-Kharsawan district. The flowing river and picturesque backdrop of low hills on one side and large tracks of forest on trolling campus are an ideal place for learning. It has been growing from strength to strength ever since it was established in 2014.

- Many more Achievements like Member of Unnat Bharat Abhiyan of Govt.Of India andBest NSS Award etc.
- National Seminar Collaboration with IGNOU, Ranchi, National workshop on Accupreser & Healing Conducted by Delhi 's one of the renowned person Mr Pramod Kumar Sinha and International Conference sponsored by Jharkhand Science and Technology Council.
- National and international seminars and workshops are organized from time to time in the college, where participants from not only the college but also from the state, country, and abroad come to enhance their knowledge.

City Office: Room No - 05, Vishwakarma Sanskritik Bhawan 577, Kumarpara, Near Discovery Diagnostic New Baradwari, Sakchi Jamshedpur, Jharkhand 831001,Ph.: 7545870224, info@instituteforeducation.in

7545870221, 7545870227











Minimum Sunrise Tomorrow Sunset Today Temperature 06:32 17:18



बाइक सवार बदमाशों ने ऑटो सवार युवती

से की छिनतई, घायल

RANCHI: बुधवार को रांची

के जगरन्नाथपुर थाना क्षेत्र के

नयासराय के पास ऑटो पर जा

रही एक युवती से बाइक सवार

अपराधियों ने मोबाइक छीन

लिया। इस दौरान युवती ऑटो

से गिरकर घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार, दोपहर

में एक युवती ऑटो पर सवार

होकर अपने घर लौट रही थी।

इस दौरान बाइक सवार दो

अपराधियों ने युवती से

मोबाइल छीन लिया। खुद को

बचाने के क्रम में युवती चलती

ऑटो गिर गई। उसे चोट भी

लगी। स्थानीय लोगों ने यवती

को पास के अस्पताल में

इलाज कराया। सचना के बाद

पलिस मौके पर पहुंची।

जगन्नाथपुर थानेदार ने बताया

कि दो बाइक सवार अपराधी

युवती से मोबाइल छीनने के

बाद नयासराय की ओर भाग

गए। अपराधी जिस ओर भागे

हैं, उस रास्ते में सीसीटीवी

कैमरे भी नहीं हैं। पलिस

अपराधियों की तलाश में जुट

गई है। जल्द ही अपराधियों को

गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

G BRIEF NEWS

मुख्यमंत्री ने बलिदानी शेंख भिखारी और टिकैत उमराव को किया नमन

RANCHI: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बलिदानी शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह को शहादत दिवस पर याद किया है। उन्होंने बधवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि अंग्रेज शोषकों और अत्याचारियों के खिलाफ विद्रोह करने वाले झारखंड की माटी के वीर सपूत अमर वीर शहीद शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह को शत-शत नमन। साथ ही उन्होंने कहा कि झारखंड के वीर शहीद अमर रहें। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ने रामगढ़ के गोला में दुर्घटना में चालक समेत तीन बच्चों के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दें। दुर्घटना में घायल बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है।

राज्यपाल से भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुलाकात

RANCHI: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बधवार को भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें सदैव दायित्वों के निर्वहन के लिए तत्पर रहने का संदेश दिया।

बाबुलाल ने शेख भिखारी व टिकैत उमराव के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

RANCHI: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने झारखंड के स्वतंत्रता सेनानी शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें शत-शत नमन किया। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें सादर नमन।मरांडी ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा को भी जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। साथ ही बाबा बैद्यनाथ से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु जीवन की मंगलकामना की है।

भाजपा नेता कड़िया मुंडा की तबीयत में सुधार जल्द होंगे डिस्चार्ज

RANCHI: लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष और बीजेपी के वरिष्ठ नेता कड़िया मुंडा की तबीयत में सुधार हुआ है। उन्हें रांची के मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर विजय मिश्रा ने बताया कि कड़िया मुंडा के शरीर में सोडियम और यूटीआइ की कमी है, जिसका इलाज किया जा रहा है। उन्हें लगभग एक सप्ताह के अंदर डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। कड़िया मुंडा की तबीयत तीन दिन पहले खराब हुई थी, जिसके बाद उन्हें खूंटी के सिविल सर्जन ने उनके घर जाकर जांच की थी। स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उन्हें मंगलवार को रांची रेफर कर

झारखंड, बिहार, बंगाल व ओडिशा में फैला हुआ है गैंग का जाल

डीजल चोरी करने वाले इंटर स्टेट गिरोह के सात अपराधियों को पुलिस ने दबोचा

बधवार को डीजल चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रांची में उत्तर प्रदेश का गैंग डीजल चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। इस मामले में पुलिस ने इंटर स्टेट गिरोह के सात अपराधियों को अरेस्ट कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों में फरमान, मनोज कुमार पंडित, आमीर उर्फ मोनू, वसीम, अभिषेक, मो. आमीर और शहजाद खान शामिल हैं। सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। इनके पास से एक ट्रक को भी जब्त किया है। साथ ही चोरी में इस्तेमाल किए गए अन्य समान को भी बरामद कर लिया गया है। पूरे मामले का खुलासा रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर की। एसएसपी ने बताया कि पिछले कई महीनों से यह गैंग रांची में सिक्रय था। गिरोह का जाल झारखंड, बिहार, बंगाल और ओडिशा में फैला हुआ है। एसएसपी ने बताया कि गिरोह के सदस्य रांची के कांके रिंग रोड व फोरलेन पर लगे वाहनों से डीजल की चोरी करते थे। तीन जनवरी की





में देर रात दो ट्रकों से डीजल चराया था। इस संबंध में पिंट कमार ने अज्ञात के खिलाफ कांके थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एफआईआर के बाद मामले का खुलासा करने के लिए एसएसपी ने छापामारी टीम का गठन किया। डीएसपी मुख्यालय (प्रथम) के

पलिसकर्मियों को शामिल करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया। सचना व तकनीक सहयोग से पलिस गिरोह के सदस्यों तक पहुंची। घटना में शामिल सात अपराधियों को दबोचा। पछताछ में सभी अपराधियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

सहित अन्य अधिकारियों ने

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना

सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में

मुलाकात की। सबसे पहले विधायक जीगा

मुख्यमंत्री ने भी उन सभी को नूतन वर्ष की

शुभकामनाएं दी। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री से

झारखंड भू–संपदा[°] अपीलीय न्यायाधिकरण के

चेयरमैन जस्टिस बीबी मंगलमूर्ति ने भेंट कर नव

वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। मुख्यमंत्री ने

भी उन्हें नए वर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दी।

इसके अलावा मुख्यमंत्री से पश्चिमी सिंहभूम के

उपायुक्त कुलदीप चौधरी, लातेहार के उपायुक्त

अधीक्षक नाथुराम मीणा, पुलिस अधीक्षक मूमल

राजपुरोहित, पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो न

शिष्टांचार मुलांकात कर नव वर्ष की बधाई एवं

उत्कर्ष गुप्ता, विशेष शाखा के पुलिस उप

महानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा, पुलिस

बुधवार को विधायक सहित अन्य अधिकारियों ने

सुसारन होरो ने मुख्यमंत्री से सपरिवार मुलाकात कर नव वर्ष की बंधाई एवं शुभकामनाएं दी।

की मुलाकात, दी बधाई

अपराधी भी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक ट्रक (यूपी-81डीटी-4765), एक बाइक, सूचना आयोग का गटन नहीं मुख्यमंत्री हेमंत से विधायक

PHOTON NEWS RANCHI: भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने कहा है कि राज्य की

हेमंत सरकार अपने काले कारनामों के उजागर के भय के कारण सूचना आयोग का गठन नहीं करना चाहती है। न्यायालय में हमेशा की तरह भ्रामक सूचनाएं देकर भ्रमित करने का काम कर रही है। जेवीएम का विलय विधिवत रूप से भाजपा में होने के उपरांत पार्टी ने दल के नेता के रूप में बाबुलाल मरांडी को नियुक्त किया। उसे भी स्पीकर के ट्रिब्यूनल कोर्ट ने राजीनीतिक साजिश तहत मामले को लटकाये रखा। रमाकांत ने कहा कि वर्ष 2023 में भाजपा



करना चाहती हेमंत सरकार

कुमार बाउरी को नियुक्त किया जो सदन में विपक्ष के नेता बने। बाउरी के नेता प्रतिपक्ष के रहते सरकार ने सूचना आयोग के गठन को लेकर विज्ञापन भी निकाला। परंतु सरकार की उदासीनता के कारण आयोग का गठन नहीं हो सका। राज्य में कई संवैधानिक संस्थाओं का गठन

विधायक दल नेता के रूप में अमर

संरक्षण देने वाले की भी तलाश की गई तेज

गिरफ्तारी के बाद सुलझ

गया एक और मामला

एक स्कूटी, 6 मोबाइल फोन, 200

लीटर के 07 प्लास्टिक डॉम, 20

लीटर के 08 प्लास्टिक बाल्टी, 01

तेल मापने का उपकरण, पांच फीट

के 2 सेक्शन पाइप, एक 10 लीटर

का कीप, 01 डीजल टैंक में तेल

पेंचकस, नोट बक और कॉपी

बरामद की है। नोट बुक में चोरी

किए गए डीजल का पूरा हिसाब-

किताब लिखा हुआ है। एसएसपी के

बनाए गए छापामारी दल में डीएसपी

मुख्यालय (प्रथम), कांके थाना

कफिल अहमद, दारोगा रोशन

प्रभारी कृष्ण कुमार साहू, दारोगा

कुमार, दारोगा टिंकु रजक, दारोगा

राज कमार तिग्गा, दारोगा बिरज

प्रसाद, एएसआई संतोष कुमार,

के सशस्त्र बल शामिल थे।

एएसआई देवेंद्र राम व कांके थाना

CRIME REPORTER RANCHI:

मापने का गौज, 8-9 नंबर के रिंच,

पूछताछ में अपराधियों ने पुलिस को

बताया कि पूर्व में भी इन्होंने डीजल

चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

एसएसपी ने बताया कि इस संबंध में

भी कांके थाना में एफआईआर दर्ज

कराई गई थी। एसएसपी ने बताया

व्यक्ति डीजल चोरी करने वाले इंटर

कि रात थाना क्षेत्र के रहने एक

स्टेट गैंग को संरक्षण देता था।

पलिस उसके तलाश में जुटी है।

गिरोह को जाल झारखंड सहित

अन्य राज्यों में भी फैला हुआ है।

अपराधियों ने गिरोह में शामिल अन्य

अपराधियों के बारे में भी जानकारी

दी है। पुलिस सबकी गिरफ्तारी के

लिए छापेमारी कर रही है। शेष

कई वर्षों से नहीं हो सका है।

थानेदार बनने के लिए पैरवी लगाने वाले अफसरों की खैर नहीं, 24 घटे के अंदर किए जाएंगे सस्पेंड

रांची में नए साल में पहली बार क्राइम मीटिंग हुई। इसमें रांची एसएसपी ने सभी थानेदारों को कई निर्देश दिए। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कहा कि थाना प्रभारी बनने के लिए किसी भी तरह का जुगाड़ लगाने वाले अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि अगर अफसर थानेदार बनने के लिए पैरवी लगाते हैं, तो उन्हें 24 घंटे के अंदर सस्पेंड कर दिया जाएगी पोस्टिंग जाएगा। इस संबंध ने निर्देश भी जारी कर दिया गया है। इस बैठक में रांची के सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी सहित सभी एएसपी, डीएसपी और थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान एसएसपी ने कहा कि थाना पहुंचने वाले पीड़ितों के साथ पुलिसकर्मी अच्छा व्यवहार रखें। उनकी फरियाद को सुनकर संबंधित समस्याओं का निष्पादन करें। ईमानदारी से उनकी समस्याओं की जांच करें। किसी भी गरीब के साथ दुर्व्यवहार न हो। लोगों को न्याय हर हाल में मिलना चाहिए। एसएसपी ने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। थाना स्तर में भ्रष्टाचार की जांच के लिए थानों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। अगर अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त पाए



काबिलियत पर मिलेगी थानेदारी

एसएसपी ने कहा कि अगर कोई अफसर यह सोच रहा है कि पैरवी कराकर उसे रांची के किसी थाने को प्रभारी बना दिया जाएगा, तो उनकी गलतफहमी होगी। एसएसपी ने कहा कि जो अधिकारी क्राइम कंट्रोल में बेहतर होंगे. उन्हें ही थाना प्रभारी का पद दिया जाएगा। पैरवी कराने से थानेदारी नहीं मिलेगी। एसएसपी ने कहा इंस्पेक्टर हो या सब-इंस्पेक्टर, जो कोई भी थानेदार बनने के लिए पैरवी भिड़ाते हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। थाना प्रभारी बनने के लिए पैरवी कराना बिल्कुल सही बात नहीं है। ऐसे अधिकारी की शिकायत आने पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। 24 घंटे के अंदर सस्पेंड कर दिया जाएगा।

जगाड लगा रहे हैं। कोई आला अधिकारियों से तो कोई मंत्री से? थानेदारी पाने के लिए पैरवी करा रहे हैं। कई इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर जगाड की दसरी तकनीक भी अजमा रहे हैं। लेकिन, अब ऐसे अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अधिकारियों के साथ की अपने विभाग के कार्यों की समीक्षा, बोर्ली-

किसानों तक नहीं पहुंच रहा योजनाओं का सही लाभ

बुधवार को झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जमीनी स्तर पर उचित क्रियान्वयन नहीं होने के कारण उनके विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ किसानों तक नहीं पहुंच पा रहा। तिर्की ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा उसकी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए नियक्त ग्राम स्तरीय कर्मचारी (वीएलडब्ल्यू) अन्य विभागों का काम भी संभाल रहे हैं। तिर्की ने कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, हम विभाग की विभिन्न योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों

• योजनाओं को टीक से लागू किया गया, तो खत्म होगा पलायन

• 18 को रांची जिले के चान्हों में मंडल स्तरीय लगेगा कृषि मेला



अधिकारियों के साथ बैठक करतीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की। 🔹 फोटोन न्यूज

तक पहुंच नहीं पा रहा, क्योंकि वीएलडब्ल्यू आवास योजना और मनरेगा जैसी अन्य योजनाओं से संबंधित कार्य भी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विभाग ने वीएलडब्ल्यू को पत्र जारी कर उन्हें केवल कृषि से संबंधित कार्य करने • ग्राम स्तरीय कर्मचारी अन्य

• विभाग के स्टाफ ठीक से काम नहीं करेंगे, तो होगी कार्रवाई विभागों का संभाल रहे काम

वीएलडब्ल्यू का किया जाएगा सम्मेलन

मंत्री ने कहा कि हमने वीएलडब्ल्यू के लिए एक सम्मेलन आयोजित करने का फैसला किया है, जहां उन्हें विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी, ताकि वे वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सकें। हम उन्हें मासिक लक्ष्य देंगे और उनकी जवाबदेही तय करेंगे। मैं मौजूदा योजनाओं को सही तरीके से जमीनी स्तर पर लाग करना चाहती हूं। अगर योजनाओं को सही तरीके से लागू किया गया, तो राज्य में पलायन की समस्या खत्म हो जाएगी। हमारा उद्देश्य झारखंड को कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। मंत्री ने बताया



कि 18 जनवरी को रांची जिले के चान्हो ब्लॉक में मंडल स्तरीय कृषि मेला आयोजित किया जाएगा और इसमें वीएलडब्ल्यू एवं किसानों को आमंत्रित किया जाएगा।

अध्यात्म : श्री कृष्ण प्रणामी सेवाधाम मंदिर पुंदाग में चार दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ समापन

दूसरों को दुख न देना सबसे बड़ा धर्म : स्वामी सदानंद

बुधवार को श्री कृष्ण प्रणामी सेवाधाम मंदिर पुंदाग में चार दिवसीय श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा संपन्न हो गई। संतों ने अमृत कथा, बीतक कथा और भागवत कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को निहाल किया। समापन समारोह में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भगवान राधा कृष्ण के दर्शन किए। उन्हें नमन किया। घर परिवार के लिए सुख शांति का आशीष मांगा। देश विदेश से आए सभी संतों का श्रद्धलाओं ने दर्शन कर उनके चरण छुए। कथा की अमृत वर्षा की गई। समापन के अवसर पर व्यास पीठ पर आसीन संत श्री सदानंद



महाराज ने भक्तों को संबोधित

करें। यही भागवत धर्म है। साधना के द्वारा प्रेम भक्ति प्राप्त किया। कहा कि मन वाणी होती है। धर्म के पालन से व्यक्ति समस्त इंद्रियों के द्वारा जो भी और परिवार ही नहीं बल्कि पुरा कार्य करे, वह सब परम पुरुष समाज और देश भी सुखी संपन्न भगवान को समर्पित करते हुए

हृदय में वैराग्य जागृति हो उसके लिए घर ही तपोवन

कहा कि जिसके हृदय में वैराग्य जागृति हो, उसके लिए घर ही तपोवन है। यही समस्त उपनिषदों का सार है। श्रीमद्भागवत का समझाने का विषय है। इसके निर्माण का जिम्मेदार है एकमात्र मोक्ष। जो लोग विषय चिंतन में लगे रहते हैं। उनकी इंद्रिय विषयों में फंस जाती हैं। मन

बनता है। संस्था के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी, मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ, साध्वी मीणा महाराज, साध्वी पूर्णा महाराज, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी, नवल अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, विजय अग्रवाल,ओम सरावगी, निर्मल छावनिका, विष्णु

को भी उन्हीं की ओर खींच लेती है। जो लोग भगवान की लीलाओं को श्रद्धा के साथ सुनते हैं। उनके हृदय में भगवान प्रकट होते हैं। अंतिम दिन में राधा कृष्ण की झांकियां प्रस्तुत

की गई। संत महात्माओं ने कई मधुर

भजन गाए। जिससे मंदिर परिसर

भक्तिमय हो गया।

सोनी, मनीष जालान, विशाल जालान, नंदू चौधरी, पूरणमल सराफ, सुरेश चौधरी, सुरेश भगत, शिव भगवान अग्रवाल, सुनील पोदार, चिरंजी लाल खंडेलवाल, विनय कुमार, पवन तिवारी, रवि कुमार, श्रवण कुमार, प्रेमचंद श्रीवास्तव, अशोक लाठ, अनिल अग्रवाल, मनीष सोनी समेत अन्य शामिल थे।

नशे के खिलाफ स्कूल कॉलेजों के बाहर रांची पुलिस ने चलाया अभियान

RANCHI: राजधानी रांची में पुलिस नशा रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसमें शामिल लोगों को दबोचकर सलाखों के पीछे भेज रही है। साथ ही युवाओं को नशे से बचाने के लिए भी हर संभव प्रयास में जुटी है। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस ने रांची के स्कूलों और कॉलेजों के बाहर अभियान चलाया। इस दौरान स्कूल-कॉलेजों के बाहर लगे गुमटी, ठेले-खोमचे की तलाशी ली। पुलिस ने संत जेवियर कॉलेज के बाहर चाय दुकानों में पान-मसाला, गुटखा, सिगरेट अन्य मादक पदार्थ की भी जांच की। साथ ही दुकानदारों को 18 वर्ष से कम आयु के युवाओं को मादक पदार्थ न देने की सलाह दी। चेतावनी दी कि अगर नाबालिंग को नशे के समान बेचते पाए गए तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब के साथ दो तस्करों को आरपीएफ ने किया अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI: रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ)

जाएंगे तो उन्हें किसी भी हाल में

बख्शा नहीं जाएगा। गौरतलब है कि

राजधानी रांची में कई इंस्पेक्टर और

सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ थानेदार

बनने के लिए पैरवी कराने की

शिकायत मिली है। सभी अपने-

अपने स्तर से थाना प्रभारी के लिए

की टीम रांची स्टेशन और इसके आसपास से नशे के तस्करों को दबोचने के लिए तत्पर है। लगातार स्टेशन से तस्कारी के लिए ले जाए जा रहे नशीले पदार्थों को पकड़ रही है। साथ ही तस्करों को भी गिरफ्तार कर रही है। तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। मंगलवार की देर रात भी आरपीएफ ने दो तस्करों को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरपीएफ ने कार्रवाई करते हुए 133 बोतल अवैध शराब को जब्त कर लिया। गिरफ्तार तस्करों में उत्तर प्रदेश निवासी अवधेश कुमार और डोरंडा निवासी शनि तिग्गा शामिल हैं। बरामद शराब की कीमत 43 हजार रुपये आंकी गई है। यह अभियान मंडल के आरपीएफ कमांडेंट पवन



कुमार के निर्देश पर चलाया गया। आरपीएफ की टीम में निरीक्षक शिशुपाल कुमार, कांस्टेबल आरके सिंह, हेमंत, प्रदीप और डीके जीतरवाल शामिल थे। आरपीएफ के अनुसार, चेकिंग कर रही टीम ने दो युवकों को स्टेशन के एस्केलेटर के पास देखा। दोनों तीन बैग साथ में लेकर बैठे थे। आरपीएफ ने दोनों युवकों से पूछताछ की। तलाशी के दौरान बैग से भारी मात्रा में अवैध शराब निकली। इसके बाद दोनों युवकों को हिरासत में लिया गया।



Daily सच के हक में..



Urvashi Rautela Gives A Peek...

Ranchi ● Thursday, 09 January 2025 ● Year : 02 ● Issue : 347 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

फोटोन एक्सक्लूसिव... झारखंड में बेधड़क कानून व्यवस्था में सेंध लगा रहे चोर, स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने जारी किए आंकड़े

चोरी की वारदात पर अंकुश नहीं, 10 माह में सामने आए 10399 केस

वजह चाहे जो भी हो। पुलिस की सुस्त कार्यशैली, पुलिस पर ही सेंधमारी या कुछ और। चोरों के लिए झारखंड सेफ जोन बनता जा रहा है। चोरी की लगातार बढ़ते आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं। चोरी छूपे तो दूर की बात, यहां दिन के उजाले में भी चोर सेंघ लगा दे रहे हैं। हर दिन चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। यह पुलिस की गश्ती पर सवाल बनता जा रहा है। राज्य के हर इलाके में रात में भी गश्ती करने का निर्देश है। पुलिस के पास हाईटेक संसाधन भी हैं। शहर के हर मुख्य रोड, हर चौक-चौराहा, यहां तक कि कई गली-मुहल्ले भी तीसरी आंख की नजर में हैं। बावजूद इसके, पुलिस चोरी की घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही है। अब यह स्थिति एक गंभीर समस्या बन गई है। झारखंड में पिछले 10 महीनों के दौरान चोरी और गृहभेदन के 10399 मामले सामने आए। मतलब हर दिन 35 चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। जनवरी से लेकर अक्टूबर 2024 तक चोरी के ८६६० मामले दर्ज किए गए। वहीं गृहभेदन के १७३९ मामले सामने आए। ये आंकड़े स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) ने जारीं किए हैं।

जनवरी-अक्टूबर २०२४ तक चोरी की ८६६० घटनाओं को दिया दिया अंजाम गृहभेदन के 1739 मामले हुए दर्ज, समाज के लिए घटनाएं बन रहीं गंभीर समस्या



कहीं बंद घर को निशाना बना रहे, तो कहीं दिनदहाड़े बाइक उड़ा रहे चोर

झारखंड में चोरों के हौसले बुलंद हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में चोरी की घटनाएं आम हो गई हैं। रांची, जमशेदपुर, धनबाद और गिरिडीह जैसे शहरों में चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। दिनदहाड़े चोरी हो रही है। रात में लोगों के घरों को चोर निशाना बना रहे हैं। रेकी कर ऐसे घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। घर बंद कर लोग छुट्टी में, शादी में, किसी के अंतिम संस्कार में या कई अन्य कारणों से बाहर जाते हैं। ऐसे घरों की पहचान में चारों का गिरोह जुटा रहता है। फिर इसकी रेकी करते हैं। सही समय पाकर घर का ताला तोड कीमती समान सहित नकद पर हाथ साफ कर



मार लेते हैं। दिनदहाडे बाइक और कार की भी चोरी हो रही है। पुलिस के पास हाई टेक्नोलॉजी संसाधन के बावजूद चोर घटनाओं को अंजाम देकर खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस इनको पकड़ने में विफल साबित हो रही है। हालांकि, कई मामलों में पुलिस चोरों को गिरफ्तार भी कर रही है।

: 82,948.23 निफ्टी 25,377.55

6,795

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

OBRIEF NEWS

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या

NEW DELHI: बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का सिलसिला हम नहीं रहा है। ताजा घटना में हमलावरों ने इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स व्यवसायी हिंदू युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। यह घटना झालकाठी जिले के रामपुर गांव के बउकाठी बाजार में हुई। मृतक की पहचान सुधीब हलदार के रूप में हुई है। इस निर्मम हत्या की कडी निंदा करते हुए कोलकाता इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग से कड़ा सवाल किया है कि यह अत्याचार कब थमेगा बता दें कि हाल के दिनों में बांग्लादेश में कई मंदिरों पर हमले और मर्तियों को तोड़े जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं। मयमनसिंह और दिनाजपुर में तीन मंदिरों की कुल आठ मूर्तियां तोड दी गई। जानकारों का कहना है कि बांग्लादेश को पूर्ण रूप से मुस्लिम राष्ट्र बनाने के लिए जमात जैसे कट्टरपंथी संगठन हिंदुओं के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं।

दिल्ली में 25 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज का वादा

NEW DELHI : बुधवार को कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सरकार बनने पर 25 लख रुपये तक मुफ्त इलाज का वादा किया है। इस संबंध में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने स्वास्थ्य कवर देने वाली जीवन रक्षा योजना का प्रस्ताव रखा। इस दौरान पोस्टर जारी किया गया, जिसमें योजना के नाम के साथ लिखा है, 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवच। कांग्रेस की जीवन रक्षा योजना पर राजस्थान के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, राजस्थान की स्वास्थ्य बीमा योजना बहत सफल रही है और दिल्ली में भी हम ऐसा ही करेंगे। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से जब पूछा गया कि अरविंद केजरीवाल कांग्रेस को दिल्ली चुनाव में रेस में ही नहीं मान रहे हैं, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, इस बार माहौल बदला-बदला नजर आ रहा है।

बच्चों व ड्राइवर की मौत

ग्रामीणों ने ट्रक ड्राइवर को पीटा

• गुस्से में भीड़ ने ट्रक को किया

दर्दनाक : परिजनों की चीत्कार से गमगीन हो उटा गोला

ट्रक ने ऑटो को रोंदा, 3

12 अन्य स्कूली बच्चों को भी लगी गंभीर चोट, भर्ती • सदर अस्पताल में चल रहा ट्रक चालक का इलाज

🖊 🏮 गांव में छाया मातम, परिजनों का बुरा हाल



रामगढ़ के गोला में स्कूल वैन और ट्रक की टक्कर से वैन चालक समेत 3 बच्चों के निधन की दुःखद खबर से मर्माहत हूं। मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे। दूर्घटना में घायल बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। **- हेमंत सोरेन**, मुख्यमंत्री।

परिजनों को मुआवजा

घटनास्थल पर पहुंचे एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने बताया कि सामाजिक कल्याण के तहत मृतकों के परिजनों को तत्काल १० हजार रुपये की सहायता राशि दी गई है। पोस्टमार्टम के बाद, शेष 20 हजार रुपये भी उन्हें प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, सडक हादसे में मतकों के परिवार को एक लाख रुपये की सहायता राशि देने का प्रावधान है, जो बाद में उनके खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

झकझोर कर रख दिया। बच्चों का इलाज कराने को बेचैन थे परिजन

घटना की जानकारी मिलते ही पहुंचे परिजनों के चीत्कार से परा गोला प्रखंड गमगीन हो उठा। कोई अपने बच्चों के शव को लेकर छाती पीट रहा था. तो कोई घायल बच्चे को इलाज करने के लिए दौड़ रहा था। इस हादसे

के शोधकर्ताओं

ने किया

व्यापक

बुधवार को गोला थाना क्षेत्र

अंतर्गत तिरला मोड़ पर गुडविल

स्कुल के बच्चों से भरे एक ऑटो

को बंगाल से आलू लेकर गोला

की ओर आ रहे एलपी ट्रक

(डब्ल्यूबी 33 डी 7015) ने

जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के

बाद सड़क पर ट्रक भी पलट गया।

इस हादसे में तीन स्कूली बच्चे

और एक ड्राइवर की घटनास्थल

पर ही जान चली गई।12 अन्य

बच्चों को गंभीर चोट लगी है।

उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में

भर्ती कराया गया है। सभी बच्चे

सरलाखर्द और पतरात गांव के

रहने वाले हैं। मृतकों में वाहन

चालक सरफराज अंसारी , नीरू

कुमारी(6), आशीष कुमार

महतो(6), अनमोल कमार (5)

शामिल हैं। सभी के शव का

पोस्टमार्टम पलिस की मौजदगी में

कराया गया है। घायलों में पतरात्

गांव निवासी उज्जवल ठाकुर(

11), अंश कुमार(5), सुजीत

कुमार(11), श्री कुमारी(9),

अंशुका कुमारी(11), कृष्णा

करमाली (6), राशि कुमारी

(5), अनमोल नायक(5),

राधिका कुमारी (6) और आयुष

कुमार साह (8) शामिल हैं।

घायलों में ट्रक ड्राइवर भी शामिल

है। इस सड़क दुर्घटना में तीन

बच्चों की मौत ने पूरे इलाके को

के बाद ग्रामीण इतने गुस्से में थे कि उन्होंने ट्रक ड्राइवर को पकड़कर जमकर पीटा। उसकी हालत भी नाजुक बनी हुई है। लोगों का गुस्सा इतना अधिक था कि उन लोगों ने उस ट्रक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

सरकार के आदेश के खिलाफ संचालित हो रहा था विद्यालय, एफआईआर दर्ज

गोला प्रखंड का गुडविल स्कूल सरकार के आदेश के खिलाफ संचालित किया जा रहा था। ठंड की वजह से राज्य सरकार ने पहले ही कक्षा ८ तक की छुट्टी १३ जनवरी तक बढ़ा दी थी। इस आदेश के आलोक में जिला प्रशासन ने भी एक आदेश जारी किया था। रामगढ़ डीसी ने भी 13 जनवरी तक विद्यालयों में कक्षा ८ तक के बच्चों की

छुट्टी रखना को कहा था। लेकिन, गुंडविल विद्यालय ने जिला प्रशासन के आदेश को धत्ता बताते हुए ना सिर्फ विद्यालय खोला, बल्कि छोटे बच्चों को असुरक्षित वाहन से आने को मजबूर किया। घटना के बाद रामगढ के डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी।



बिना टिकट ट्रेन से पहुंचते थे दिल्ली

<u>2 साल के लिए इसरो</u> के नए चेयरमैन होंगे रॉकेट साइंटिस्ट वी.

नारायणन

NEW DELHI: बुधवार को केंद्र सरकार ने रॉकेट सॉइंटिस्ट वी. नारायणन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। उन्हें स्पेस डिपार्टमेंट का सचिव भी बनाया गया है। वे 14 जनवरी को इसरो चीफ एस. सोमनाथ की जगह लेंगे। नारायणन का कार्यकाल २ साल का रहेगा। अभी वह वलियामाला स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) के डायरेक्टर हैं। नारायणन के पास ४० साल का अनुभव है। वे रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट ऑपरेशन के एक्सपर्ट हैं। इसरो के मौजूदा चेयरमैन एस. सोमनाथ ने 14 जनवरी 2022 को इसरो चेयरमैन का पद संभाला था।

झारखंड में बैठ दिल्ली में कराई जा रही मोबाइल चोरी

उत्तरी दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे

मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जिसका सरगना झारखंड में बैठकर दिल्ली में नाबालिगों से मोबाइलों की चोरी करा रहा है। इस चोरी के लिए भी झारखंड से ही रुपयों का झासा देकर भेजे गए नाबालिंग होते थे, जो चोरियों को अंजाम देने के बाद चोरी के सामान के साथ वापस झारखंड लौट जाते थे और वहां से आकर चुराए हुए मोबाइल सरगना को सौंप देते थे। डीसीपी नॉर्थ राजा बंथिया ने बताया कि इस गिरोह का पता तब चला, जब कमला नगर, दिल्ली में एक शॉप से एक आईफोन चुराने के आरोप में 13 साल के एक लड़के को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया गया। उन्होंने बताया कि 22 दिसंबर को कमला नगर मार्केट में शॉपिंग करने पहुंची एक महिला ने रिपोर्ट की थी कि एक नाबालिंग लडके ने उनका



• एक नबालिग को पुलिस ने किया गिरफ्तार पूछताछ में सामने आई अहम जानकारी

मोबाइल फोन चुरा लिया है। रूपनगर पुलिस पोस्ट पर दैनिक डायरी (डीडी) प्रविष्टि दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि नाबालिंग ने चोरी की है। इसके बाद, टीम ने स्थानीय सूचनातंत्रों को सिक्रय किया और बाजार में विक्रेताओं और हित धारकों को सतर्क किया गया।

<u>ढो लाख करोड़ की योजनाओं का मोढी ने किया उद्घाटन-शिलान्यास</u>

अब नई भविष्योन्मुखी प्रौद्योगिकी का केंद्र बने आंध्र प्रदेश : प्रधानमंत्री

VISAKHAPATNAM @ PTI:

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंध प्रदेश अपनी नवोन्मेषी प्रकृति के कारण सूचना और प्रौद्योगिकी का इतना बडा केंद्र बना है, लेकिन अब समय है कि दक्षिण का यह महत्वपर्ण राज्य नई भविष्योन्मखी प्रौद्योगिकी का केंद्र बने। हमें उभरती हुई तकनीकों का नेतृत्व करना चाहिए, जैसे कि हरित हाइडोजन का उपयोग, जो भविष्य का एक महत्वपर्ण क्षेत्र है। प्रधानमंत्री ने यहां हरित ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और

विशाखापत्तनम उन गिने-चुने शहरों में शामिल होगा जहां हरित हाइड्रोजन का किया जाएगा उत्पादन

• प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के सीएम और डिप्टी सीएम के साथ किया रोड शो

• तीसरी बार प्राइम मिनिस्टर बनने के बाद मोदी ने पहली बार की इस राज्य की यात्रा



शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। इसके पहले प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ रोड शो भी किया। बता दें कि वर्ष 2024 में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद मोदी की राज्य

की यह पहली यात्रा थी।

चिंताजनक हालात मुपत जांच और इलाज के बाद भी झेलनी पड़ती है माली परेशानी

देश के टीबी मरीजों को और आर्थिक सहायता की जरूरत

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK:

एक दौर था, जब ट्यूबरक्यूलोसिस यानी तपेदक (टीबी) जैसी महामारी ने पूरी दुनिया को तबाह कर दिया था। भारत में इसका अंसर अत्यंत व्यापक हुआ करता था। घर-परिवार उजड़ जाते थे। धीरे-धीरे चिकित्सा विज्ञान के प्रयास से इलाज की सुविधा ने इस पर काबू पाया और आज हम इस स्थिति में आ चुके हैं कि देश को टीवी मुक्त बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। फिर भी इस विषय में हाल में किए गए विशेष अध्ययन में कुछ चिंताजनक हालत भरकर सामने आए हैं। विशेष अध्ययन के अनुसार, भारत में लगभग आधे मरीजों पर बहुत ज्यादा आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इसकी वजह बीमारी के दौरान काम न कर पाने से रोजमर्रा की कमाई में कमी और अस्पताल में भर्ती होने के कारण होने वाला खर्च है। खासतौर पर इसके कारण कमजोर वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। इस सच्चाई का खलासा टीबी सपोर्ट नेटवर्क, डब्ल्यूएचओ कंट्री ऑफिस फॉर इंडिया और इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी के शोधकर्ताओं के अध्ययन में हुआ है।

जर्नल ग्लोबल हेल्थ रिसर्च एंड पॉलिसी में नई स्टडी के निष्कर्ष हुए हैं प्रकाशित गरीब और निम्न मध्यम दर्जे के बीमार लोगों पर दिखाई पड़ता है अधिक असर 2035 तक खत्म करनी है महामारी



सरकारी स्तर पर हर रोगी पर बीमारी के इंस्टीट्यूट ऑफ इलाज में 33 हजार रुपये होते हैं खर्च एपिडेमियोलॉजी इस साल के अंत तक देश को तपेदिक मुक्त बनाने का रखा गया है लक्ष्य बीमारी के दौरान काम न कर पाने से रोजमर्रा

की कमाई में कमी से होती है तकलीफ

यह अत्यंत महत्वपूर्ण बात है कि नेशनल ट्यूबरक्यूलोसिस इरेडिकेशन प्रोगाम यानी

राष्ट्रीय टींबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) का लक्ष्य २०२५ तक भारत को टीबी मुक्त बनाना है। वर्ल्ड हेल्थ ऑगेर्नाइजेशन यानी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की टीबी उन्मूलन रणनीति का लक्ष्य 2035 तक इस महामारी की दुनिया भर से खत्म करना है। २०२३ में वैश्विक स्तर पर करीब 1.08 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में आए थे। इनमें से करीब 60 लाख पुरुष और 36 लाख महिलाएं थीं। 13 लाख बच्चे भी इस बीमारी से प्रभावित हुए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में टीबी की वजह से 12.5 लॉख लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा था।

१४०० से अधिक लोगों पर किया गया रिसर्च

रिपोर्ट में यह बताया गया है कि शोधकताओं ने १४०० से अधिक लोगों का इंटरव्यू लिया। इन लोगों के उपचार के नतीजे मई 2022 और फरवरी 2023 के बीच घोषित किए गए थे। इससे पता चला है कि इलाज और देखभाल पर प्रति व्यक्ति करीब ३३ हजार रुपये खर्च होते हैं। मरीज पर अप्रत्यक्ष लागत के रूप में करीब 25,996 का वित्तीय बोझ पड़ता है। मजदूरी को हुए नुकसान के कारण उन्हें आर्थिक परेशानी झेलना पड़ती है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास में जाने से रोके गए 'आप' नेता

NEW DELHI : बुधवार को दिल्ली के सिविल लाइंस में छह, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के बाहर उस समय नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला जब आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने बंगले में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। यह बंगला पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आधिकारिक आवास था। आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने बाद में लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री के सरकारी आवास तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें फिर से रोक दिया। इसके बाद आप नेताओं ने धरना दिया। फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मीडिया को मुख्यमंत्री आतिशी को आवंटित एबी 17 मथुरा रोड बंगले पर लेकर गए और दिखाया कि उनके पास पहले से ही सरकारी आवास है।

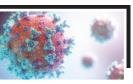
वायरस

मरीजों की मॉनिटरिंग बढ़ाने का दिया निर्देश

चीनी वायरस एचएमपीवी को लेकर झारखंड सतर्क

PHOTON NEWS RANCHI:

मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के धीरे-धीरे भारत में बढ़ रहे मामलों के मध्य नजर झारखंड में सतर्कता बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि इस मामले को लेकर पहले ही केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को श्वसन रोगों की निगरानी बढ़ाने का परामर्श दिया है। इसके बाद झारखंड के स्वास्थ्य विभाग ने इंफ्लुएंजा व रेस्पिरेट्टी निमोनिया का सर्विलांस तेज करने का निर्देश जारी किया है। स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह ने रिम्स निदेशक और राज्य के सभी सिविल सर्जनों के साथ अहम



• स्वास्थ्य सचिव ने रिम्स निदेशक और जिलों के सिविल सर्जन के साथ की मीटिंग

• जिनका ऑक्सीजन लेवल ८० से कम, उन्हें संदिग्ध मानकर सैंपल लेना जरूरी

बैठक की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि इंफ्लूएंजा और सांस के मरीजों की मॉनिटरिंग करें।

समाचार सार

महिला को युवक के साथ लोगों ने पकडा, बवाल CHAKRADHARPUR: चक्रधरपुर के झुमका मोहल्ला में बीती रात जमकर बवाल हुआ। जानकारी के मताबिक, यहां एक महिला के घर



पर एक अनजान यवक के घसने के बाद स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा मचाया। युवक को घर से निकालकर जमकर पीटा, फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद महिला को भी उसके घर से बाहर निकाल कर भगा दिया। इस दौरान उसके साथ उसका चार साल का बच्चा भी मौजद

था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि महिला काफी दिनों से अलग-अलग यवकों के साथ घर पर अनैतिक कार्य करती थी। इस संबंध में पलिस के पूछताछ में युवक ने अपना नाम राहुल मंडल बताया है, जो पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के सालतोड़ाम गांव का रहने वाला है। वर्तमान में वह ओडिशा के राउरकेला में एक कंपनी में मजदूरी करता है।

याद किए गए शेख भिखारी व टिकैत उमराव सिंह

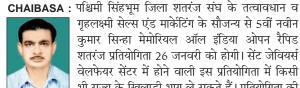
CHAIBASA: वीर शहीद शेख भिखारी व टिकैत उमराव सिंह के शहादत दिवस पर बुधवार को कांग्रेस भवन, चाईबासा में उनकी तस्वीर



मिनट का मौन रखकर उन्हें चंद्रशेखर दास ने कहा कि इन वीर सपूतों की शहादत अतुल्य है । इस मौके पर प्रदेश सचिव अशरफुल

होदा, प्रदेश महासचिव त्रिशानु राय, जिला महासचिव कैरा बिरुवा, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सवैयां, नगर अध्यक्ष मो. सलीम आदि मौजूद थे।

नवीन मेमोरियल शतरंज प्रतियोगिता 26 को



गृहलक्ष्मी सेल्स एंड मार्केटिंग के सौजन्य से 5वीं नवीन कुमार सिन्हा मेमोरियल ऑल इंडिया ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 26 जनवरी को होगी। सेंट जेवियर्स वेलफेयर सेंटर में होने वाली इस प्रतियोगिता में किसी भी राज्य के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता की

कल इनाम राशि 1.00.000 रुपये है। प्रतियोगिता के मख्य आर्बिटर विशाल कुमार मिंज, जबिक मुख्य संयोजक जुएल गागराई हैं। प्रतियोगिता में 51 खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

पुण्यतिथि पर मरीजों में बांटे कंबल

CHAKRADHARPUR : विधायक सुखराम उरांव के विधायक



प्रतिनिधि समरेश सिंह उर्फ गुड़ू सिंह के पिता शिवमंगल सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर बधवार को अनुमंडल फल वितरण किया गया। इस मौके पर गुड़ू सिंह की माता

शकुंतला सिंह व अनुमंडल चिकित्सा प्रभारी अंशुमान शर्मा के अलावा समाजसेवी शेष नारायण लाल, सदानंद होता, राजेश गुप्ता, भरत सिंह, भोला सिन्हा, कबीर पांडेय आदि मौजूद थे।

यंग झारखंड प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे 9वीं अशोक कुमार जैन जिला नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार



क्लब, चक्रधरपुर के ही लट्ट उरांव क्रिकेट क्लब को एकतरफा मुकाबले में 128 रनों से पराजित कर प्री-

पहले बल्लेबाजी करते हुए यंग झारखंड की पूरी टीम 29.3 ओवर में 248 रन बना सकी, जबिक लक्ष्य का पीछा करने उतरे लट्टू उरांव क्रिकेट क्लब की परी टीम 23.3 ओवर में 120 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। यह क्लब 128 रनों के भारी अंतर से मैच गंवाकर प्रतियोगिता से बाहर हो गया।

प्रखंड कार्यालय पहुंची धोती, साड़ी व लुंगी की खेप

GHATSILA: मकर पर्व से पर्व प्रखंड के लोगों को सरकार की ओर से कपड़ा देने के लिए बुधवार को घाटशिला प्रखंड कार्यालय में धोती, साड़ी और लुंगी की खेप पहुंच गई। इस संबंध में बीडीओ ने बताया कि मकर के पहले सभी लाभुकों में धोती, साड़ी व लुंगी का वितरण कर दिया

जाएगा। घाटशिला प्रखंड कार्यालय के प्रधान सहायक ने बताया कि सरकार की ओर से 27,569 साड़ी,

16,721 धोती व 1548 लुंगी भेजी गई है। 14 एकड़ में लगी अफीम को किया नष्ट



में 14 एकड़ में लगी अफीम की फसल को टैक्टर चलाकर नष्ट किया गया। मंगलवार को पोड़ाहाट अनुमंडल में पुलिस बल की मौजूदगी में बंदगांव थाना अंतर्गत ग्राम दिग्गी में करीब 7 एकड़ और टेबो थाना अंतर्गत ग्राम रोरो, तोमरोंग में 7 एकड़ में लगी पोस्तो

मालगाड़ी के इंजन में बैठ कर टाटानगर पहुंचे डीआरएम

टाटानगर स्टेशन के स्ट्रेचर पर चादर नहीं देख भड़के, कहा सुरक्षा-सुविधा का ध्यान रखें

चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया ने बीती रात टाटानगर स्टेशन का औचक निरीक्षण किया, जिससे स्टेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। बिना किसी पूर्व सूचना के मालगाड़ी के इंजन में बैठकर पहुंचे और डीआरएम ने निरीक्षण की शुरूआत की। डीआरएम तरुण हुरिया सबसे पहले स्टेशन के बाहर निकले और कार से आरआरआई विभाग पहुंचे। यहां उन्होंने रात के समय कर्मचारियों के कामकाज की जांच की। इसके बाद उन्होंने कोचिंग डिपो का निरीक्षण किया और वहां की कार्यप्रणाली का मुल्यांकन किया। डीआरएम ने क्रू लाबी का भी दौरा किया और वहां के कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान स्टेशन में उपलब्ध

GHATSILA : मुख्यमंत्री मंईयां

सम्मान योजना की राशि की जगह

सिर्फ मैसेज मिलने से महिलाएं

नाराज हैं। महिलाएं बुधवार को

घाटशिला प्रखंड कार्यालय में

प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका

शर्मा से मिलने पहुंची थीं, लेकिन

बीडीओ के अपने कार्यालय में

उपस्थित नहीं रहने से लौट गईं।

महिलाओं ने सरकार तथा व्यवस्था

की उदासीनता के कारण अपने को

ठगा सा महसूस कर रही थीं।

बड़ाजुड़ी गांव की बेलारानी

भकत, बिनोती भकत, मीनू भकत,

सुमित्रा भकत, रूपाली भकत,

वीणापणि भकत, देवली गांव की

जोबा रानी दास व सविता ने

बताया कि मंईयां योजना की राशि

भुगतान का मैसेज मोबाइल पर आ

गया, पर बैंक खाते में पैसा नहीं

आया। महिलाओं का आरोप है



व्हीलचेयर, स्ट्रेचर की स्थिति देखी। उन्होंने स्ट्रेचर की स्थिति देखी और कहा कि यह गद्देदार होना चाहिए। इसके साथ ही

स्टेचर पर हमेशा दो चादर होना चाहिए, जो नहीं था। वहीं स्टेशन परिसर पर ही आपातकालीन स्थिति में चिकित्सा सविधा तत्काल प्रदान की स्थिति जानी।

मंईयां योजना का सिर्फ मैसेज

मिलने से महिलाएं हुईं नाराज

प्रखंड कार्यालय पहुंचीं महिलाएं

कि प्रज्ञा केंद्र से सितंबर में योजना

के लिए आवेदन किया गया था,

लेकिन अब तक एक महीने का

भी पैसा नहीं आया। इस माह

काफी उम्मीद थी कि खाते में राशि

आएगी, परंतु इस बार भी सरकार

ने सिर्फ मैसेज भेजा है। ज्ञात हो

कि इस मामले को लेकर 20 सूत्री

कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के

जिला सदस्य सनत काल्ट्र

चक्रवर्ती ने गोपालपुर पंचायत की

कर्मचारियों और अधिकारियों को यात्री सुविधाओं में पूरी सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने कहा कि स्टेशन परिसर के अंदर और बाहर पूरी सफाई व स्वच्छता रखी जाए। यात्रियों को शौचालय, पेयजल, एक्सक्लेटेर जैसी सुविधाओं में परेशानी न हो।

सुधार की दिशा में एक कदम

डीआरएम का यह निरीक्षण टाटानगर स्टेशन और उससे जुड़े विभागों की कार्यक्षमता को परखने और सधारने की पहल माना जा रहा है। उन्होंने कर्मचारियों के कार्य में सधार के लिए एक स्पष्ट संदेश दियां, जिससे स्टेशन की प्रबंधन व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। वे परसूडीह स्थित रेलवे फाटक गए। यहां टाटा-बादामपहाड रेलमार्ग के किनारे जमीन की

ध्यान दें। यात्री को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा मिले, रेलवे की यही कोशिश है। डीआरएम ने कहा कि वे निरीक्षण कर स्थिति का जायजा ले रहे है।

इस निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने कर्मचारियों की उपस्थिति और उनकी कार्यशैली पर खास ध्यान

दिया। उनका यह औचक दौरा बाइक से गिरकर युवक

CHAKRADHARPUR: बांझीकुसूम–टोकलो मुख्य मार्ग झरझरा के पास तेज रफ्तार बाइक से गिरकर दूधकुंडी गांव निवासी



की मौत, एक घायल

घायल है। घटना मंगलवार देर शाम की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक चक्रधरपुर प्रखंड के दूधकुंडी गांव निवासी ३२ वर्षीय करन महतो अपने दोस्त परमानंद कहार के साथ बाइक से रोंडा क्षेत्र में आयोजित मेला गया था। मेला से लौटने के दौरान झरझरा के पास बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसके कारण बाइक से दोनों गिर गए। बाइक कारण महतो चला रहा था। करण के सिर व शरीर में गंभीर चोट लगी। घटना के बाद दोनों घायलों को चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां करण महतो की गंभीर स्थिति को देखते हुए रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजनों ने करण महतो को इलाज के लिए रेलवे अस्पताल में भर्ती किया, लेकिन इलाज के दौरान करण की मौत हो गई। दोस्त परमानंद को कम चोट लगी थी, जिससे उसकी

अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक सख्त संदेश था कि उनकी जिम्मेदारी को गंभीरता से लिया जाए। निरीक्षण के दौरान स्टेशन डायरेक्टर सुनील कुमार,

इससे पहले मंगलवार रात को वे आरआरआई, कोचिंग डिपो का निरीक्षण किया था। वहीं खुद खड़े होकर शटिंग के दौरान कर्मचारियों की सतर्कता का जायजा लिया था। निरीक्षण के दौरान एरिया मैनेजर अभिषेक सिंघल, स्टेशन निदेशक सनील कुमार, डिप्टी एसएस सुनील कुमार सिंह, सीएचआई जितेंद्र कुमार, कैटरिंग इंस्पेक्टर राकेश कुमार समेत अन्य अधिकारी

कमर्शियल इंस्पेक्टर

एस.के. सिंह और ऑपरेटिंग

इंचार्ज सहित अन्य अधिकारी भी

JAGANNATHPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर रस्सेल प्लस टू उच्च विद्यालय से स्कली बच्चों के लिए रखे मद्याह्न भोजन का 45 बोरा चावल अज्ञात चोर ले उड़े। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार क्रिसमस व नवबर्ष के कारण 23 दिसंबर से 6 जनवरी तक विद्यालय में अवकाश था। इस बीच बढ़ती ठंड के कारण जिला प्रसाशन से अवकाश अवधि बढ़ा कर कक्षा प्रथम से कक्षा अष्टम तक 13 जनवरी कर दिया गया है। इस बीच स्कूल से चावल चोरी हो गई। पता चलने पर शिक्षिका स्कूल गई, तो देखा कि 45 बोरा चावल गायब थे। इस घटना को लेकर विद्यालय प्रबंधन ने थाना को सूचित कर दिया है। पुलिस मामले को लेकर जांच-पडताल कर रही हैं। पलिस ने देखा कि खिडकी का रॉड टटा

स्कूल से ४५ बोरा

चावल ले भागे चोर

एनडीआरएफ टीम ने बच्चों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर



स्कूली बच्चों को जानकारी देते एनडीआरएफ के जवान

CHAIBASA: मांगीलाल रूंगटा प्लस टू विद्यालय चाईबासा में बुधवार को 9बी एनडीआरएफ टीम ने बच्चों को आपदा प्रबंधन के गुर सिखाए। विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जागरुकता शिविर में रक्तस्राव को नियंत्रित करने के लिए दबाव बिंदुओं और पट्टियों का उपयोग करने, हृदय गति रुकने पर जीवन रक्षा के लिए सीपीआर का उपयोग करने, फायर सेफ्टी, पानी में फंसने पर जीवनरक्षा के लिए अस्थायी राफ्ट

घायलों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए अस्थायी स्ट्रेचर बनाने, भारी मलबे के नीचे फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने और मुविंग तकनीकों का उपयोग करने की स्थिति में बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई। शिविर में एनडीआरएफ के मुख्य समन्वयक सब-इंस्पेक्टर शिवकुमार राय, भोला गुप्ता, सुजीत कुमार बैठा तथा पूरी टीम ने विस्तारपूर्वक

सांसद ने गुदड़ी में किया साइकिल व कंबल वितरण



महिला को कंबल देतीं सांसद जोबा मांझी

• फोटोन न्यूज

SONUA: सांसद जोबा मांझी बुधवार को नक्सल प्रभावित गुदड़ी प्रखंड कार्यालय में आयोजित कई कार्यक्रमों में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया। वहीं, जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटे। सांसद ने प्रखंड सभागार में आयोजित मानसी मित्र के स्वास्थ्य संवाद कार्यक्रम और प्रखंड स्तरीय रबी कर्मशाला में भी शामिल हुईं। गदड़ी में ग्रामीणों ने सांसद से क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या दूर करने की गुहार लगाई। इस मौके पर बीडीओ मनोज कुमार तिवारी, प्रखंड प्रमुख सामी भेंगरा, जिप सदस्य सुनीता लुगुन, मुखिया कुंवारी बरजो, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. देवी प्रसाद हांसदा, प्रखंड समन्वयक मिथुन नायक, सिहया विनीता मुंडारी, प्रीतिवंती टोपनो, सेतेंग हापतगाड़ा, सरोज सांडिल, सीआरपी डॉक्टर महतो, बीटीएम अजीत भुईयां, बिरसा मुंडा, किसान मित्र विश्वनाथ खंडाइत, नीरालाल सिंह, निरंजन सिंदूरी, जकरियस लुगुन, सोमा लुगुन समेत सहिया, एएनएम व ग्रामीण उपस्थित रहे।

१४ सरकारी स्कूलों के 420 छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

काफी महिलाओं की राशि खाते में

नहीं आने को लेकर बीडीओ से

मिले थे। बीडीओ ने बताया कि

जिस महिला के खाते में पैसा नहीं

गया है, वह अपना आधार कार्ड

तथा मैसेज की कॉपी कार्यालय में

जमा करें, संबंधित विभाग को

भेज कर अपडेट कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह योजना परी

तरह ऑनलाइन है। जो भी होगा

ऑनलाइन ही हल किया जाएगा।



JAMSHEDPUR : उपायुक्त अनन्य मित्तल की पहल पर जिले के 14 सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत 11वीं कक्षा के 420 छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण किया। बच्चों को शहर की कंपनियों. खेल कॉम्प्लेक्स, कला-संस्कृति केंद्र, तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान आदि का भ्रमण कराया गया। बच्चों ने जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, एनटीटीएफ, झारखंड राइफल क्लब के शूटिंग रेंज, टाटा स्टील यूएसआईएल, ट्राइबल कल्चर सेंटर, सीएसआईआर-एनएमएल और टाटा मोटर्स के शैक्षणिक भ्रमण सह एक्सपोजर विजिट में भाग लिया। सभी स्कूल से 30-30 बच्चे चुने गए थे।

बुरुडीह डैम में नौका परिचालन के लिए एसडीओ ने रखी शर्त



ग्रामीणों के साथ बैठक करते एसडीओ

GHATSILA: बुरूडीह डैम में नौका परिचालन की सुविधा बंद होने से पर्यटकों में मायूसी छा गई है। इस स्थिति को सुधारने और संचालन से जुड़े मुद्दों का समाधान निकालने के लिए घाटशिला अनुमंडल कार्यालय में ब्धवार को बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी सुनील चंद्र ने की, जिसमें बुरूडीह संयुक्त ग्रामसभा संचालन समिति के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में नौका परिचालन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। एसडीओ सनील चंद्र ने स्पष्ट किया कि नौका परिचालन की अनुमति केवल तभी दी जाएगी, जब सभी आवश्यक प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। उन्होंने समिति को निर्देश दिया कि परिचालन के लिए दक्षता प्रमाण पत्र, राजस्व भुगतान और सुरक्षा से जुड़े सभी उपाय सुनिश्चित किए जाएं। संचालन समिति ने अपनी तैयारी से प्रशासन को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनके पास लकडी की 2 नाव और 31 लाइफ जैकेट उपलब्ध है। समिति ने भरोसा दिलाया कि वे प्रशासन की गाइडलाइंस का पालन करते हुए नौका संचालन को प्रतिबद्ध हैं।

माझी परगना महाल ने एसडीओ को सौंपी वनपट्टा दावेदारों की सूची



परगना महाल की ओर से अनुमंडल पदाधिकारी घाटशिला को वन पट्टा से संबंधित दावेदारों की सूची सौंपी गई। इस संबंध में महाल के देश विचार सचिव बहादुर सोरेन ने बताया कि 17 दिसंबर को 14 गांव के 140 दावेदारों की सूची दी गई थी, आज 7 गांव के 71 दावेदारों की सूची समर्पित की गई। इसमें घाटशिला प्रखंड के 10, डुमरिया प्रखंड से 30, धालभूमगढ़ प्रखंड से 12 एवं चाकृलिया प्रखंड से 19 दावेदारों की सूची दी गई है। अनुमंडल पदाधिकारी से मांग की गई है कि कुल 21 गांव के 211 दावेदारों का प्रपत्र उपलब्ध कराया गया है। इन्हें वनपट्टा देने की प्रक्रिया शुरू की जाए। सोरेन ने बताया कि केंद्र सरकार ने नियम बनाया, लेकिन आज 18 वर्ष बाद भी आदिवासी और अन्य परंपरागत वन निवासियों को वन अधिकार अर्थात वन का पट्टा से वंचित रखा गया है।

बिना किसी मध्यवर्ती मरम्मत के 50 मिलियन टन पार करने वाला भारत का पहला ब्लास्ट फर्नेस

टाटा स्टील, जमशेदपुर के ब्लास्ट फर्नेस ने रचा इतिहास

• २००८ में स्थापित यह फर्नेस हर साल कर रहा अपनी निर्धारित क्षमता से 20% अधिक उत्पादन राष्ट्रपति से भी मिल चुका है सम्मान

PHOTON NEWS JSR:

टाटा स्टील ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान बना लिया, जब जमशेदपुर स्थित कंपनी के एच-ब्लास्ट फर्नेस ने 50 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया। यह उपलब्धि एच-ब्लास्ट फर्नेस को भारत का पहला ऐसा फर्नेस बना दिया, जिसने बिना किसी मध्यवर्ती मरम्मत के इस उपलब्धि को हासिल किया है और स्टील उद्योग



के लिए एक नई मिसाल कायम की है। 'एच' ब्लास्ट फर्नेस 2008 में चालू किया गया था, जिसका कार्यशील आयतन 3230**m**³ है। अपनी शुरूआत के समय से ही, इस फर्नेस ने अपनी निर्धारित क्षमता से लगभग 20% अधिक उत्पादन बरकरार रखा है और हर

उत्पादन किया है। यह उपलब्धि की प्रक्रिया नियंत्रण, परिचालन दक्षता और क्रॉस-फंक्शनल टीमों की तत्परता का अद्वितीय प्रमाण है, जिन्होंने निरंतर चुनौतियों का सामना किया और नवाचारपूर्ण समाधानों के साथ

चैतन्य भानु, वाइस प्रेसिडेंट-ऑपरेशंस, टाटा स्टील जमशेदपुर ने कहा कि 50 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन बिना किसी मध्यवर्ती मरम्मत के हासिल करना टाटा स्टील के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, और यह हमारे टीमों की असाधारण इंजीनियरिंग और परिचालन क्षमता का जीवंत प्रमाण है। एच ब्लास्ट फर्नेस ने उत्पादकता और दक्षता के नए मानक स्थापित किए हैं, और यह हमारे सतत और नवोन्मेषी स्टील निर्माण दृष्टिकोण के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है। यह सफलता न केवल हमें स्टील उद्योग में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में मजबूती प्रदान करती है, बल्कि हमें उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक

उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया।

पहुंचने के लिए भी प्रेरित करती है। वर्षों के दौरान, एच ब्लास्ट फर्नेस ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण सम्मान प्राप्त किया है। यह लगातार नौ वर्षों तक भारत में सबसे उच्च कोल इंजेक्शन का रिकॉर्ड कायम रखता है और अपनी ऊर्जा-बचत नवाचारों के लिए भारत के राष्ट्रपति से सम्मान प्राप्त कर चुका है।

इसके अलावा, इसने हॉट मेटल गुणवत्ता में उद्योग के लिए नए मानक स्थापित किए हैं, खासकर सिलिकन सामग्री पर सख्त नियंत्रण बनाए रखते हुए। वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन ने भी इस फर्नेस की प्रोसेस सेफ्टी में असाधारण अभ्यासों को दो वर्षों तक मान्यता दी है, जो इसकी निरंतर सफलता का स्पष्ट प्रमाण है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के आढवें दिन निकली बाइक रैली



JAMSHEDPUR : भारतीय राष्ट्रिय राजमार्ग एवं परिवहन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 1जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को उपायुक्त कार्यालय से बाइक रैली निकली, जिसे अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि व्यवस्था) अनिकेत सचान व जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय ने रवाना किया। जिले के सभी प्रमख स्थानों. सरकारी कार्यालय. थाना क्षेत्र, बस स्टैंड, टेंपो स्टैंड, चौक चौराहे पर बाइक रैली के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के सभी बस स्टैंड, टेंपो स्टैंड, चौक चौराहे पर चालकों, बस डाइवर, कंडक्टरों को भी जागरूकत किया गया। इसका उद्वेश्य सभी वाहन चालकों के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर संवेदनशीलता एवं जागरूकता फैलाना है।

पत्रकार की हत्या के विरोध में प्रेस क्लब ने सौंपा ज्ञापन



एडीएम अनिकेत सचान को ज्ञापन सौंपते संजीव भारद्वाज

JAMSHEDPUR : छत्तीसगढ़ के बस्तर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के विरोध में प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर ने बुधवार को एडीएम अनिकेत सचान को ज्ञापन सौंपा। छत्तीसगढ़ के सीएम के नाम सौंपे ज्ञापन में मुकेश चंद्राकर की हत्या की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही अभियुक्तों को कड़ी सजा देने की मांग रखी गई। इसके अलावा सीएम हेमंत सोरेन से गिरिडीह में अवैध टोल टैक्स वसुली करने के मामले को लेकर समाचार संकलन के दौरान पत्रकार से की गई मारपीट मामले में उचित कार्रवाई और पत्रकार सुरक्षा कानून बनाते हुए लागु करने की मांग रखी गई। यह भी मांग की गई है कि समाचार संकलन के दौरान पत्रकारों पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने जैसे मामलों में पत्रकार के परिवार को आर्थिक, सामाजिक व पारिवारिक सुरक्षा दी जाए। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष संजीव भारद्वाज, पूर्व अध्यक्ष बी. श्रीनिवास, महासचिव विकास श्रीवास्तव, पूर्व महासचिव श्याम झा, सह सचिव वेदप्रकाश गुप्ता, कुलविंदर सिंह, मदन साहू, मो. अनवर, निखिल सिन्हा, चंद्रशेखर, धनंजय कुमार, दशमत सोरेन आदि उपस्थित थे।

पांडेय गिरोह के गैंगवार में कुख्यात की पत्नी सहित दो हुए गिरफ्तार

भरत पांडेय व दीपक साव हत्याकांड के दोनों आरोपी को भेजा गया जेल

- हजारीबाग जेल में बंद विकास तिवारी ने रची थी साजिश
- श्रीवास्तव की हत्या में जेल में है विकास

AGENCY PALAMU:

पलामु जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के गरदा गांव में रविवार की रात अपराधियों की गोलीबारी में मारे गए पांडेय गिरोह के दो अपराधियों भरत सिंह उर्फ भरत पांडेय और दीपक साव उर्फ ढुल्ला की हत्या के मास्टर माइंड गैंगस्टर किशोर पांडे की पत्नी निशि पांडेय एवं साले निशांत सिंह को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दोनों को



आरोपी महिला को गिरफ्तार कर ले जाती पुलिस

निशांत सिंह नामजद आरोपित हैं। हत्याकांड में शामिल शटरों की तलाश में पुलिस कई इलाकों में छापेमारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि पांडेय गिरोह के दो अपराधियों भरत और दीपक की हत्या की साजिश हजारीबाग जेल में बंद विकास तिवारी ने रची थी। विकास तिवारी भोला पांडेय-किशोर पांडेय गिरोह से ताल्लुक रखने वाला है। फिलहाल यह गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव की हत्या के जुर्म में हजारीबाग जेल में आजीवन सजा काट रहा है। इसने ही दोनों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए गुर्गे भेज हत्या

विकास पांडेय को भोला पांडेय

गिरोह का संचालन विकास तिवारी ही कर रहा था। विकास

पलाम् पुलिस की एसआईटी ने रामगढ़ पुलिस के सहयोग से बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पतरातू के स्टीम कॉलोनी स्थित आवास से गैंगस्टर किशोर पांडेय की पत्नी निशि पांडेय और उसके भाई निशांत सिंह को गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर किशोर पांडेय की पत्नी निशि पांडेय वर्तमान में कोयला यूनियन जनता मजदुर संघ की केंद्रीय उपाध्यक्ष भी है।

इस गैंगवार की जांच करते हुए

खूंटी में चलाया गया सड़क सुरक्षा



किया जा रहा है। इस कडी में बधवार को बस स्टैंड में आयोजित कार्यक्रम में बस और अन्य सवारी वाहन चालकों को यातायात नियमों के विषय में जानकारी दी गई। साथ ही सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करने के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक द्वारा सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए वाहनों में ओवरलोडिंग न करने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान जिला मुख्यालय के पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट, नो फ्युल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पेट्रोल पंप के संचालक एवं कर्मचारियों को नो हेलमेट, नो फ्यूल का अनुपालन

अपराधियों ने विस्थापित नेता को मारी गोली, हो गई मौत



घटनास्थल की जांच करते पुलिस पदाधिकारी

AGENCY RAMGARH: रामगढ़ और हजारीबाग जिले के सीमावर्ती इलाके उरीमारी में अपराधियों ने एक विस्थापित नेता की गोली मारकर हत्या कर दी है। बुधवार को विस्थापित नेता संतोष सिंह की मौत के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। उरीमारी क्षेत्र पोटंगा लुकैयाटांड़ में घात लगाए अपराधियों ने विस्थापित नेता सह सीसीएल कर्मी संतोष सिंह को गोली मारकर हत्या कर दी है। जानकारी अनुसार बाइक सवार विस्थापित नेता को सीने, पेट और सिर में कल तीन गोलियां मारी है। घायल संतोष सिंह को प्राथमिक

दिया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनसार उरीमारी क्षेत्र में कोयला और लोकल सेल से जुड़े संतोष सिंह को अपराधियों द्वारा पहले भी धमकी दी जा

आशंका जताई जा रही है कि लेवी को लेकर संतोष सिंह की हत्या कर दी गई हैं।बरका सयाल क्षेत्र मे कई दिनों से अपराधियों की दस्तक से दहशत का माहौल बना हुआ है। मौके पर उरीमारी थाना प्रभारी रामकुमार राम, गिद्दी थाना प्रभारी कंदन कमार घटनास्थल पहुंचकर

BRIEF NEWS डालसा ने कई गांवों में चलाया विधिक जागरूकता अभियान

KHUNTI: झालसा रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेस कुमार के मार्गदर्शन में बुधवार को नालसा के जरिये संचालित 90 दिवसीयह्नआउटरीच अभियान पर बरदा, (तपकरा), हारूहापा (कर्रा), राजकीय कृत उच्च विद्यालय और जरियागढ़ थाना में विधिक जागरूकता यह कार्यक्रम अभी लगातार 90 दिनों तक चलता रहेगा। अभियान में मुख्य विषय वाहन दुर्घटना मुआवजा प्राप्त करने संबंधी, लेबर कार्ड बनाने संबंधी , जन्म प्रमाण पत्र, महिलाओं से जुड़े अधिकार एवं राशन कार्ड बनाने आदि के संबंध में जानकारी दी गई। डालसा के पीएलवियों ने कार्यक्रम में लोगों को जागरूक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ के बारे मे बताया। यह जानकारी डालसा की सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया

LOHARDAGA : सशत्र सीमा बल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के जरिये संयक्त रूप से मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किस्को प्रखंड के सेमरडीह में बधधार को किया गया। मानव कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत राजेश सिंह, कमांडेंट 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल सिलम गुमला के मार्ग निर्देशन में किस्को के कंपनी कमांडर ज्ञानेश्वर सिंह. सहायक कमांडेंट के नेतृव में मानव चिकित्सा कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. हिमांशु गिरी सहायक कमांडेंट, 32 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के साथ डॉ. प्रियंका, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किस्को के जरिये सेमरडीह, वाणपुर, डटमा और आस पास के लगभग 100 ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच किया गया।

बिरनी के पांच घरों में हुई लाखों की चोरी, सेंधमारी

GIRIDIH: जिले के बिरनी थाना क्षेत्र के गुरहा गांव में मंगलवार की रात में चोरों ने पांच घरो में लगभग दस लाख की चोरी की घटना को अंजाम दिया । बताया गया कि जिन पांच घरों चोरी हुई है। इनमें रिटायर्ड टीचर भागीरथ विश्वकर्मा, केदार विश्वकर्मा और इनके छोटे भाई नारायण विश्वकर्मा , हरिहर यादव और सहदेव महतो शामिल है। बताया गया कि टीचर भागीरथ विश्वकर्मा और केदार विश्वकर्मा और नारायण विश्वकर्मा के घर से अपराधियों ने चार लाख के जेवर की चोरी कर लिया। तीनों के घर पर रखे 50 हजार नगद से भी हाथ साफ किया। तीनों के घर से 80 हजार के बर्तन समेत अन्य कीमती सामान चुरा लिया। नारायण विश्वकर्मा के घर पहले तल्ले के कमरा का ताला तोड़कर दो लाख का जेवर के 30 हजार के जेवर

सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पुरा करें भाजपा कार्यकर्ताः नीलकंट सिंह



KHUNTI: भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और भाजपा सदस्यता अभियान के मंडल प्रभारी नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि पूरे देश में भाजपा के जरिये सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। विधानसभा चुनाव के कारण झारखंड प्रदेश में यह अभियान विलंब से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान में सभी की भागीदारी हो। पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री बुधवार को मुरहू मंडल में सदस्यता अभियान की बैठक को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, सामान्य वर्गों को भाजपा का सदस्य बनाएं। साथ ही कार्यकताओं को सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पुरा करने का उन्होंने निर्देश दिया। बैठक की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष विजय कुमार राम ने की।



संख्या में जवानों को तैनात किया

यादव और हरिहर यादव के घर पर ही सेंधमारी कर छह लाख के जेवर के साथ नगद की चोरी की । इस बाबत भागीरथ विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि रात में जब सभी खाना खा कर सो गए, दूसरे दिन बुधवार की सुबह उठा तो देखा कि तीनो भाइयों के घर का लॉक टूटा हुआ है। तीनो के घर के कई कमरे का दरवाजा टूटा हुआ है। और सारे कमरे में रखा समान बिखरा पड़ा है। यही स्थिति सहदेव यादव और हरिहर यादव के घर पर

विद्यालय की जमीन पर नजर गड़ाने वाले सुधर जाएं : सुदीप गुडिया



KHUNTI : कर्रा प्रखंड के डहकेला स्थित राजकीय मध्य विद्यालय के खेल मैदान को बेचने के विरोध में बधवार को विद्यालय प्रबंधन समिति और ग्रामीणों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि डहकेला के सरकारी स्कूल की जमीन पर नजर गड़ाने वाले दलाल सुधर जाएं, अन्यथा उन्हें परेशानी हो संकती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय की भमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास सरासर गलत है, जिसे किसी भी हाल में बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय की जमीन है और विद्यालय की ही जमीन रहेगी। हमारी लडाई शुरू से जल, जंगल और जमीन की है और हमलोग हमेशा इसके लिए लड़ते रहेंगे। उन्होंने विद्यालय को जमीन दान देने वाले ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव का भी

आग से २० ट्रैक्टर पुआल जलकर राख, मुआवजा देनें की उटी मांग



पुआल के ढेर में लगी आग

KHUNTI : मुरहू प्रखंड के ग्राम कुंजला में बुधवार तड़के उमेश महतो और रमेश महतो के घर के पास रास्ते किनारे बिजली के तार आपस में टकराने से आग लग गई। आग की चपेट में आने से बगल में रखे पुआल के ढेर में आग लग गई। इससे लगभग 20 ट्रैक्टर पुआल जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही भाजपा के पूर्व जिला काशीनाथ महतो घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी खूंटी के थाना प्रभारी और अग्निशमन विभाग को दी और

• फोटोन न्यूज के फायर ब्रिगेड को भी जानकारी दी। फायर ब्रिगेड वालों ने आकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरा पुआल जलकर खाक हो चुका था। भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ने प्रशासन से पीड़ित किसानों को अविलंब मुआवजा देने की मांग की है। इस संबंध में उमेश महतो और रमेश महतो ने कहा कि इसी पुआल से वे साल भर अपने मवेशियों को खिलाते थे। अब उन्हें इस बात की चिंता है कि वे साल भर मवेशियों



बालाजी के खिलाफ कार्रवाई की पूरी संभावना है। बुधवार को एमआरएमसीएच में पुलिस आउटपोस्ट का उद्घाटन करने पहुंचे राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि बालाजी आउटसोर्सिंग कंपनी ने एग्रीमेंट के विपरीत कार्य करके समझौता अपराध किया है। इसे आर्थिक अपराध भी कहा जा सकता है। एग्रीमेंट के अनुसार 300 बेड अस्पताल के आलोक में 135 सफाईकर्मी देने थे, लेकिन पिछले दिनों उनके निरीक्षण में मात्र 51 कर्मियों की हाजिरी बनी थी और 47 उपस्थित पाए गए थे। इसी तरह 4 जनवरी को डॉ आरके रंजन की जांच में मात्र 12 कर्मी ही पाए गए थे। कभी 12 तो कभी 20 तो कभी

टीबी मरीजों में किया गया पोषाहार वितरण

LOHARDAGA : सदर ---अस्पताल परिसर स्थित यक्ष्मा केंद्र में44 टीबी रोगियों के बीच अतिरिक्त पोषण सहायता के तहत पोषण टोकरी (पोषाहार) का वितरण किया गया। साथ ही साथ सभी मरीजो को कंबल भी वितरित दिया गया। पोषाहार वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ शंभु नाथ चौधरी ने कहा कि टीबी लाइलाज रोग नहीं है। इसका सम्पूर्ण और निशुल्क इलाज सभी सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध है। समय से दवा लेने पर छह महीने में टीबी रोग परी तरह से ठीक हो जाता है। उन्होंने कहा कि टीबी की दवा का अनियमित सेवन करने से एमडीआर टीबी होने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि बेहतर पोषण का सेवन करने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबत करता है। जिससे टीबी जैसे

बालाजी आउटसोर्सिंग कंपनी ने किया समझौते का

पत्रकारों को संबोधित करते मंत्री राधाकृष्ण किशोर

की रही है। यह सरकारी राशि का

बालाजी कंपनी के द्वारा 135 कर्मियों को बहाल नहीं किया गया। ऐसे में यह मामला आर्थिक अपराध की श्रेणी में आता है।

कार्रवाई की जाए और पूरे मामले सरकारी राशि का गबन किया है। मंत्री ने कहा कि चिकित्सा और

अधिक भुगतान की रिकवरी की

• फोटोन न्यूज

मंत्री ने पुलिस आउट पोस्ट का किया उदघाटन

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने चीर प्रतिक्षित मांग पूरी करते हुए बुधवार को मेदिनीराय मैडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में पुलिस आउट पोस्ट क उदघाटन किया। आउट पोस्ट के खुलने से शहर थाना पर काफी हद तक निर्भरता खत्म हो गयी है। पोस्टमार्टम, इंजरी, सुरक्षा सहित अन्य मामलों में अब तत्काल पुलिस कार्रवाई होगी। मौके पर मंत्री ने कहा कि एमआरएमसीएच बनने के बाद और उसके पहले से यहां पुलिस आउट पोस्ट की स्थापना की मांग की जा रही थी। उन्होंने मंत्री बनते ही इस मांग को पूरा किया है। मंत्री राधाकृष्ण ने कहा कि पुलिस आउट पोस्ट के शुभारंभ होने से जहां डाक्टर, स्वास्थ्यकर्मी भयमुक्त माहौल में कार्य कर सकेंगे, वहीं रोगियों की भी सुरक्षा होगी। उन्होंने कहा कि भयमुक्त माहौल के बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है।

जंगली हाथियों ने तोरपा में मचाया आतंक संत अन्ना कॉन्वेंट की बाउड़ी वाल को तोड़ा

PHOTON NEWS KHUNTI: खुंटी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले तो गजराज सिर्फ गांव-देहात में ही जान-माल को नुकसान पहुंचाते थे, पर वे शहरों में भी आतंक मचाने लगे हैं। बुधवार को तड़के जंगली हाथियों ने तोरपा प्रखंड मुख्यालय स्थित संत अन्ना कॉन्वेंट के बाउंडी वाल और बैकंड षाडंगी की बारी दीवार को तोड़ दिया।

गनीमत रही कि कोई उनकी चपेट में नहीं आया। बताया गया कि कुछ लोग दो-तीन जंगली हाथियों को खदेड़ते हुए तोरपा की ओर ले आये। हाथियों ने बैकुंठ षाड़ंगी की दीवार को तोड़ते हुए हिल चौक स्थित संत अन्ना कॉन्वेंट स्कूल में घुस गये और उत्तर दिशा की ओर



हाथी के हमले से क्षतिग्रस्त दीवार

बाउंड्री वाल को तोड़ते हुए बांसटोली की ओर निकल गये। ज्ञात हो कि तोरपा, कर्रा सहित अन्य प्रखंडों में पिछले पांच दशकों से जंगली हाथियों का आतंक बरकरार है। इस दौरा सैकड़ों लोग मारे गये और करोड़ों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। जंगली हाथियों के आतंक आ आलम यह है कि

शाम होने के बाद ही गांव-देहात के लोग घरों में दबक जाते है और हर ओर सन्नाटा पसर जाता है। सबह सैर-सपाटे में निकलने वालों ने भी घरों से निकलना बंद कर दिया है। ज्ञात हो कि लगभग एक सप्ताह पहले ही हाथियों ने कर्रा प्रखंड के केदली और छोटा केदली गांव में दो लागों को कुचल

पीएम मोदी ने जिसका किया उद्घाटन, वहां भी नहीं शुरू हो सका एडमिशन

पांच साल से बंद पड़ा है बहरागोड़ा एकलव्य विद्यालय

PHOTON NEWS JSR:

आदिवासी बच्चों कोअंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की तरह गुणवत्तापूर्व शिक्षा मिल सके, इसके लिए केंद्र सरकार ने देश के अलग अलग हिस्सों में एकलव्य विद्यालय खोला है। इसी क्रम में पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा व पोटका में एकलव्य विद्यालय बनकर तैयार है। लेकिन यहां दोनों स्कूलों में से किसी में भी एडमिशन की प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। पोटका में 17 करोड़ की लागत से बन कर तैयार हुए आवासीय एकलव्य विद्यालय का उद्घाटन इसी वर्ष दो अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। तब कहा गया था कि इस विद्यालय में इसी साल से एडिमशन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इसके लिए नवंबर में प्रवेश परीक्षा आयोजित किया जाएगा। साल बीतने को है, लेकिन अभी तक प्रवेश परीक्षा तो दूर एडिमशन



बहरागोड़ा स्थित बंद पड़ा एकलव्य विद्यालय

जिले के दोनोंएकलव्य विद्यालय के भवन तोबनकर तैयार हैं लेकिन अभी वहां बुनियादी संरचना जैसे डेस्क, बेंच, ब्लैक बोर्ड आदि की व्यवस्था नहीं हो सकी है। साथ ही हॉस्टल में भी सामग्री की खरीद की जानी है। वहीं पोटका विद्यालय में शिक्षकों की भी अभी नियुक्ति नहीं हो सकी है। इन सभी वजहों से एडिमशन की प्रक्रिया शरू नहीं हो पा रही है। इसे लेकर हम विभाग से परामर्श ले रहे हैं। वहां से जब आदेश होगा एडमिशन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

– शंकराचार्य समद, जिला कल्याण पदाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम

प्रक्रिया की तिथि भी घोषित नहीं हो सकी है। सबसे खराब स्थिति बहरागोड़ा एकलव्य विद्यालय का है, जिसका उद्घटान पांच साल पहले हुआ था। लेकिन इसके बाद भी इसमें आज तक एडिमशन नहीं हो सका। हैरान करने वाली बात

यह है कि इसमें दाखिला के लिए 2022 में प्रवेश परीक्षा ली गयी थी। लेकिन इसका न तोपरिणाम जारी किया गया और न ही इसके आधार पर दाखिला हुआ। पिछले पांच साल से इस विद्यालय का भवन ताले में बंद है। स्थानीय ग्रामीणों का

जिले के तीन प्रखंडों में शुरू होना है एकलव्य विद्यालय

पूर्वी सिंहभूम जिले की बात करें तोयहां कुल तीन एलव्य विद्यालय बना जा रहे हैं। इसमें बहरागोड़ा व पोटका प्रखंड में पहले ही विद्यालय बन चुका है। जबिक बोड़ाम प्रखंड में यह निमार्णाधीन है। इसमें क्लासरूम के अलावा १२०-१२० बेड की क्षमता वाले छात्र व छात्राओं के लिए दो छात्रावास का निर्माण पहले चरण में कराया गया है। दूसरे चरण में 240 बेड वाले छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। बनकर तैयार हुए सभी भवनोंमें ताला लटका हुआ है। इन स्कूलों के छटवीं कक्षा में प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिला शुरू होना है।

कहना है कि बच्चे परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद नामांकन के लिए गुड़ाबांदा या अन्य जगहों पर जाना पड़ता है। जबिक बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए यहां आलीशान एकलव्य विद्यालय खंडहर में तब्दील हो रहा है। उनका कहना है कि कभी कभार यहां अधिकारी आते हैं। इसके अलावा यह भवन ताले में ही बंद रहता है। इस विद्यालय कोबनाने में 6 करोड़ से अधिक की राशि खर्च हुई थी। इसके कई हिस्सों में दरारें भी आने लगी हैं।

गंभीर रोग से बचा जा सकता है।

बहरागोड़ा में 6 शिक्षक, तो पोटका के लिए सिर्फ एक की हो सकी है नियुक्ति : इस विद्यालय में एडिमशन नहीं होने की वजह वजह शिक्षकों की कमी के साथ ही स्कूल के लिए जरूरी शैक्षणिक सामग्री की खरीद का न हो पाना भी है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बहरागोड़ा एकलव्य विद्यालय के लिए प्रिंसिपल समेत कुल 6 शिक्षक जबकि पोटका के लिए सिर्फ प्रिंसिपल की नियुक्ति हो सकी है। लेकिन शैक्षणिक सामग्री की खरीद अभी तक नहीं हो पाने की वजह से इन दोनों स्कूलों में एडमिशन नहीं शुरू हो पा रहा है।

निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण करें अधिकारी: उपायुक्त



KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने जिले के अधिकारियों को निधारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण करें। उपायुक्त बुधवार को समाहरणालय स्थित सभागार में राजस्व संग्रहण और राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में राजस्व संग्रहण, दाखिल खारिज, भूमि सीमांकन, ई-रेवेन्यू कोर्ट, सक्सेसन म्यूटेशन, पार्टीशन म्युटेशन, सर्टिफिकेट केस समेत विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में अपर समाहर्ता ने विभिन्न अंचलों से प्राप्त अद्यतन प्रतिवेदन रिपोर्ट प्रस्तुत की। उपायुक्त ने बिंद्वार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार राजस्व संग्रहण करने का निर्देश दिया।

अमन साहू के गुर्गे ने चलवाई फोरलेन टोल साइट पर गोली

डालटनगंज-रांची मुख्य पथ पर मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के जोरकट में फोरलेन टोल निर्माण साइट पर ताबड़तोड़ फायरिंग मामले में भारत वाणिज्य प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के जरिये बुधवार को अमन साहू के खास गुर्गे मयंक सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि मामला दर्ज कर अपराधियों को पकड़ने के लिए कार्रवाई की जा रही है। प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के आवेदन के अनुसार पूर्व में अंजान नंबर से कॉल आता था पर नजरअंदाज कर देते थे। गोली चलाने वाले नकाबपोश अपराधी राहुल सिंह

के कहने पर गोली चलाने की

बात कह रहे थे। घटना के कुछ

देर बाद अमन साहू के खास

मयंक सिंह ने घटना की



अस्पताल में इलाजरत घायल

जिम्मेदारी लेते हुए दो परसेंट कमीशन मांगी थी। इधर, गोलीबारी की घटना से मजदूरों में काफी दहशत है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार शाम 4.30 बजे फोरलेन निर्माण में बन रहे टोल प्लाजा के समीप अज्ञात अपराधियों ने जेसीबी पर छह से सात राउंड गोली चलायी थी, जिसमें से एक गोली छिटक कर काम कर रहे मजदुर सतबरवा थाना क्षेत्र के पोखराहा पूणार्ड़ीह गांव निवासी मनीष कुमार को लग गई थी। मजदूर का इलाज एमआरएमसीएच में चल रहा है। र सावरकर के नाम पर दिल्ली यूनिवर्सिटी एक

संविधान को संकीर्ण राजनीतिक लड़ाई का उपकरण न बनाएं

संविधान के खात्मे को लेकर खासी बहस चली है। भारत का संविधान अनुठा है, अद्वितीय है। यह देश का राजधर्म है। इस संविधान में अनेक लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। सबकी अपनी सीमा है। यह सीमा भी संविधान निर्देशित है। सभी संवैधानिक संस्थाओं का स्रोत संविधान है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियां भी संविधान प्रदत्त हैं। संविधान निमार्ता भविष्य के भारत के प्रति सजग थे। उन्होंने गहन विमर्श के बाद संविधान बनाया। परस्पर विचार विमर्श अच्छी बात है, लेकिन संविधान को समाप्त करने का दुष्प्रचार करने का विपक्षी दलों का निर्णय अनचित है। लोकसभा चनाव के समय संविधान को खत्म करने और बदलने का शोर मचाया गया। विपक्षी दल लगातार आरोप लगाते रहे कि केंद्रीय सत्ता संविधान के खात्मे पर उतारू है। संविधान समाप्ति जैसी कोई योजना कभी प्रकाश में नहीं आई। न विचार में, न कर्म में और न ही लेखन सहित अन्य अभिव्यक्तियों में भी। संविधान को खत्म करने की अफवाह देश के कोने-कोने तक पहुंची। शिक्षित लोग सन्न थे कि संविधान के खात्मे की बात कहां से आई। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी संविधान की किताब लेकर फोटो खिंचवा रहे थे। मजेदार बात है कि संविधान खत्म किए जाने की सूचना संभवतः सबसे पहले उनको ही प्राप्त हुई। यह झूठ देश के मानस में बार-बार आ रहा है। संविधान के खात्मे का दुष्प्रचार करने वाले व्यक्ति या दल या समूह नितांत झुठ का सहारा ले रहे हैं। संविधान बदलने का सबसे बड़ा दुस्साहस 1976 में अधिनियमित 42वें संविधान संशोधन में कांग्रेस ने किया था। दुर्भाग्य से इस संविधान के खात्मे का विषय ठीक से जानने वाले लोगों की संख्या कम है। संसद और विधान मंडल और न्यायालयों की बहसों में संविधान की सर्वोपरिता है। संविधान की उद्देशिका में राष्ट्रीय जीवन के लक्ष्य हैं। उद्देशिका में उल्लिखित भारत को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास और धर्म उपासना की स्वतंत्रता, अवसर की समता प्राप्त कराना मुख्य उद्देश्य है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने तमाम निर्णयों में उद्देशिका के महत्व और उपयोगिता की चर्चा की है। बेशक संविधान के अन्य प्रावधानों की तरह उद्देशिका को न्यायालय द्वारा प्रवर्तित नहीं किया जा सकता। लेकिन, न्यायालयों के कई निर्णयों में यह शासन का मख्य घटक है। उद्देशिका ह्यहम भारत के लोगह्य से शुरू होती है। संविधान सभा को मिली शक्ति भारत के लोगों द्वारा ही अर्जित है। कछ राजनीतिक दल जाति और मजहब के आधार पर राजनीतिक समृह या संगठन चलाते हैं। इस प्रकार के दलों द्वारा समाज तोड़ने वाले शब्द चलाए जाते हैं। इनकी बात मानें तो संविधान की उद्देशिका में लिखा जाता कि भारत जात-पांत आदि कई संकीर्णताओं में लिप्त है। इसे भारत के लोग कहना बेकार है। वे कहते हैं कि यहां की जनता केवल कुछ समूहों का गठजोड़ है, जबिक संविधान रचना का उद्देश्य और कारण सुस्पष्ट हैं। प्रत्येक भारतवासी उद्देशिका के अनुरूप हम भारत के लोग का हिस्सा है। भारत हजारों वर्ष पहले भी एक राष्ट्र था। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक भारत की एक संस्कृति है। इस संस्कृति के कारण ही हम भारत के लोग एक सशक्त राष्ट्र हैं। डॉ. अंबेडकर ने लिखा है कि यह बात ठीक है कि भारतवासी परस्पर लड़ते-झगड़ते रहते हैं, किंतु संस्कृति के कारण भारत एक राष्ट्र है। संविधान रचना के उद्देश्य स्पष्ट हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा में उद्देश्य और संकल्प का प्रस्ताव रखा था। संकल्प के अनुसार, प्रभुत्व संपन्न स्वतंत्र भारत की सभी शक्तियां और प्राधिकार उसके संगठक भाग शासन के सभी अंग आम जनों से उत्पन्न हैं। संकल्प के अनुसार, भारत की जनता को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, प्रतिष्ठा और अवसर की तथा विधि के समक्ष समता, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और संगठन बनाने आदि कार्यों की विधि के अधीन स्वतंत्रता होगी। आगे कहा है कि राज्य क्षेत्र की अखण्डता, भूमि, समुद्र और आकाश पर उसके प्रभुत्वसंपन्न अधिकार, न्याय और अन्य राष्ट्रों की विधि के अनुसार बनाए रखे जाएंगे। संकल्प के अंतिम आठवें प्रावधान में लिखा है, यह प्राचीन भूमि विश्व में अपना समुचित और गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त करेगी और विश्व शांति तथा मानव कल्याण के लिए स्वेच्छा से अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। संकल्प में उल्लिखित प्राचीन भूमि का अर्थ क्या हो सकता है। सारी दुनिया की भूमि प्राचीन है। भारत के अर्थ में प्राचीन भूमि का अर्थ प्राचीन संस्कृति होना चाहिए। संविधान निमार्ताओं ने भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न राष्ट्र बताया है। स्वाधीनता मिलने तक भारत राष्ट्रकुल का सदस्य था। इंग्लैंड के सम्राट के अधीन राष्ट्रमंडल में भारत के बने रहने पर आलोचना हुई। प्रत्यक्ष रूप में यह निर्णय उचित नहीं था। सभा में प्रधानमंत्री नेहरू को स्पष्टीकरण देना पड़ा। आखिरकार एक संप्रभु राष्ट्र इंग्लैंड के राजा-रानी के प्रति निष्ठा कैसे रख सकता है। आयरलैंड ने रिपब्लिक आफ आयरलैंड एक्ट बनाकर अपने आप को इंग्लैंड से पृथक कर लिया। आलोचनाओं के बाद कहा गया कि भारत में सम्राट के प्रति निष्ठा स्वीकार्य नहीं है। यह निर्णय प्रधानमंत्रियों के सम्मेलन में लिया गया। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि प्रभुत्व संपन्न गणराज्य बन जाने के पश्चात भी भारत राष्ट्रकुल का पूर्ण सदस्य बना रहेगा। लोकमंगल भारत के राष्ट्रजीवन का लक्ष्य रहा है। अनेक महत्वपूर्ण विषय ऐसे भी थे, जो संविधान सभा में अंतिम निर्णय तक पारित नहीं किए जा सके। संविधान सभा ने उन महत्वपर्ण विषयों को भी संविधान में जगह दी। उन्हें राज्य का नीति निदेशक तत्व कहा है। संविधान के नीति निदेशक तत्वों (भाग चार-अनच्छेद 36 से 51) में ऐसे उपयोगी उद्देश्य रखे गए हैं। संविधान में कहा गया है कि प्रशासन और विधि के निर्माण में इन सिद्धांतों का अनुसरण किया जाए।

वीर सावरकर के नाम पर कॉलेज खुलने से खफा है कांग्रेस



काश, सावरकर के नाम पर खुलने वाले कॉलेज का विरोध करने वाले वीर सावरकर के बारे में अपनी महान नेत्री इंदिरा गांधी की ही राय को जान लेते। इंदिरा गांधी जब भारत की सुचना और प्रसारण मंत्री थीं, तब उन्हीं के निर्देश पर वीर सावरकर पर केंद्रित डाक्यमेंट्री फिल्म उनके विभाग ने बनाई थी। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते हुए सावरकर की स्मृति में डाक टिकट भी जारी हुआ। श्रीमती गांधी ने अपने निजी खाते से सावरकर स्मृति कोष के लिए 11 हजार रुपये का अंशदान भी किया था। इंदिरा गांधी ने सावरकर को रिमार्कबल सन ऑफ इंडिया इंडिया कहा था। इंदिरा गांधी ने 20 मई 1980 को पंडित बाखले, सचिव, स्वतंत्रवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक के नाम से संबोधित चिट्ठी में सावरकर के योगदान का जिक्र किया था। इस पत्र में इंदिरा गांधी ने लिखा है, मुझे आपका पत्र ८ मई १९८० को मिला था। वीर सावरकर का ब्रिटिश सरकार के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काफी अहम है। मैं आपको देश के महान सपूत के शताब्दी समारोह के आयोजन के लिए बधाई देती हूं। मशहूर लेखक वैभव पुरंदरे ने अपनी किताब टू स्टोरी ऑफ फादर ऑफ हिंदुत्व में लिखा है कि इंदिरा गांधी का

नया कॉलेज खोलने जा रही है। वीर सावरकर जैसे महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर कॉलेज खुलने से देशभर के नौजवान निश्चित रूप प्रेरित ही होंगे। इस बारे में किसी को किसी तरह का शक भी नहीं होना चाहिए, पर कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। कांग्रेस को वीर सावरकर के नाम से ही हमेशा ही चिढ़ रही है। अब कांग्रेस को कौन बताए कि वीर सावरकर, जिनका पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर था, भारत के स्वाधीनता आंदोलन के एक ही अत्यंत महत्वपूर्ण हस्ताक्षर थे। वे एक महान क्रांतिकारी, राष्ट्रवादी विचारक, लेखक और वकील थे। उनका जीवन और कार्य भारतीय इतिहास के एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी अध्याय का प्रतिनिधित्व करते हैं। काश, सावरकर के नाम पर खुलने वाले कॉलेज का विरोध करने वाले वीर सावरकर के बारे में अपनी महान नेत्री इंदिरा गांधी की ही राय को जान लेते। इंदिरा गांधी जब भारत की सूचना और प्रसारण मंत्री थीं, तब उन्हीं के निर्देश पर वीर सावरकर पर केंद्रित डाक्यमेंट्री फिल्म उनके विभाग ने बनाई थी। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते हुए सावरकर की स्मृति में डाक टिकट भी जारी हुआ। श्रीमती गांधी ने अपने निजी खाते से सावरकर स्मृति कोष के लिए 11 हजार रुपये का अंशदान भी किया था। इंदिरा गांधी ने सावरकर को रिमार्कबल सन ऑफ इंडिया इंडिया कहा था। इंदिरा गांधी ने 20 मई 1980 को पंडित बाखले, सचिव, स्वतंत्रवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक के नाम से संबोधित चिट्ठी में सावरकर के योगदान का जिक्र किया था। इस पत्र में इंदिरा गांधी ने

का ब्रिटिश सरकार के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काफी अहम है। मैं आपको देश के महान सपूत के शताब्दी समारोह के आयोजन के लिए बधाई देती हूं। मशहूर लेखक वैभव पुरंदरे ने अपनी किताब ट्र स्टोरी ऑफ फादर ऑफ हिंदत्व में लिखा है कि इंदिरा गांधी का लिखा पत्र सत्य है। किताब में लिखा है कि इंदिरा गांधी ने 1966 में सावरकर के निधन पर गहरा शोक भी जताया था। इंदिरा गांधी ने सावरकर को महान क्रांतिकारी बताते हुए तारीफ की थी और एक बयान भी जारी किया था। इंदिरा गांधी ने कहा था कि सावरकर ने अपने कार्यों से पूरे देश को प्रेरित किया था। अफसोस कि कांग्रेसियों को सच जानने से कोई मतलब ही नहीं रहा। उन्हें तो मीन-मेख निकालनी है। इसलिए इतनी पुरानी पार्टी सिकुड़ती ही चली जा रही है। वीर सावरकर तो बचपन से ही देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत थे और उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विरोध में भाग लेना शुरू कर दिया था। सावरकर 1905 में श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा स्थापित 'इंडिया हाउस' में शामिल होने के लिए लंदन चले गए। लंदन में

गुप्त क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त करना था। उन्होंने 1857 का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम नामक एक पुस्तक लिखी, जिसमें उन्होंने 1857 के सिपाही विद्रोह को भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम बताया। इस पुस्तक को ब्रिटिश सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया था। सावरकर ने इटली के क्रांतिकारी नेता गिउसेप्पे मैजिनी से प्रेरणा ली और उनकी क्रांतिकारी विचारधारा को भारतीय संदर्भ में लागू करने का प्रयास किया। 1910 में सावरकर को नासिक के जिला मजिस्ट्रेट जैक्सन की हत्या में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें दोषी ठहराया गया और 50 साल की कारावास की सजा सुनाई गई। उन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप समह में स्थित सेलुलर जेल में भेजा गया, जहां उन्होंने कई वर्षों तक कठोर यातनाएं सहीं। काला पानी में उन्होंने एकांत कारावास, कठोर श्रम और अमानवीय परिस्थितियों का सामना किया। कोल्हु में बैल की तरह जोतकर उनसे सुखे नारियल से तेल निकलवाया जाता था। सावरकर ने भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने

क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया और अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई। सावरकर हिंदू राष्ट्रवाद के एक प्रमुख पैरोकार थे। उन्होंने एक मजबूत और एकजुट हिंदू राष्ट्र की वकालत की। सावरकर ने जाति व्यवस्था और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लडाई लडी। उन्होंने हिंद समाज में सुधार लाने के लिए कई आंदोलन चलाए। वे एक कशल वक्ता और लेखक थे। उनके भाषणों और लेखों ने लोगों को प्रेरित किया और उनमें देशभक्ति की भावना जगाई। सावरकर के गह राज्य महाराष्ट में कई संगठन और संस्थान हैं, जो उनके विचारों और कार्यों को बढ़ावा देते हैं। वीर सावरकर महाराष्ट्र में एक सम्मानित और प्रभावशाली व्यक्ति हैं और उन्हें कई लोगों द्वारा एक महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है। वीर सावरकर का एक शानदार चित्र पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में लगा हुआ था। उनके चित्र का 26 फरवरी 2003 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने संसद भवन में अनावरण किया था। इसे चंद्रकला कुमार कदम ने बनाया था। जब वीर

हुई, तब भी कांग्रेस ने यह कहकर विरोध किया था कि वे सांसद नहीं थे। तब कांग्रेसी भूल गए थे कि लोकमान्य तिलक तथा महात्मा गांधी जैसे राजनीति व स्वाधीनता संग्राम में अहम योगदान देने वाले व्यक्ति भी तो सांसद नहीं थे। उनके त्याग व समर्पण को देखते हुए केंद्रीय कक्ष में उनका चित्र स्थापित कर सम्मान दिया गया। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कुछ समय पहले वीर अपमानजनक टिप्पणी की थी। उनकी बयानबाजी से शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे भी नाराज हो गए थे। उन्होंने तब कहा था, हम स्वातंत्र्यवीर सावरकर के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान से सहमत नहीं हैं। हमारे मन में सावरकर के लिए सम्मान है। आपको कोई पसंद नहीं तो ठीक है। खैर, वीर सावरकर कॉलेज खुलने से राजधानी में उस महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर महत्वपूर्ण प्रतीक स्थापित हो जाएगा। देर से ही सही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब वीर सावरकर का एक अहम प्रतीक



स्थापित होने जा रहा है। (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार

मनमोहन सिंह : भारतीय नीतिगत परिदृश्य पर छोड़ी व्यापक छाप

सिंह के निधन के बाद मध्य वर्ग से लेकर एवं राजनीतिक गलियारों में शोक जताया गया। खांटी नेता न होते हुए भी उन्होंने राजनीतिक मोर्चे पर इतना कुछ हासिल किया, जिसकी कुछ लोग सिर्फ कल्पना ही कर सकते हैं। सिंह एक बद्धिजीवी भी थे और उन्होंने भारतीय नीतिगत परिदृश्य हालांकि इसे भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि राजनीतिक पटल के शीर्ष पर बैठे लोग जिस प्रकार नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं, उसमें सिंह अपेक्षित रूप से असर नहीं छोड पाए। चाहे प्रधानमंत्री का दायित्व हो या फिर उससे पहले वित्त मंत्री का, उनकी भिमका मख्य रूप से वास्तविक राजनीतिक शक्ति से लैस दिग्गजों के सहायक-सलाहकार की ही रही, जिन्होंने स्वीकार्य नीतियों को नौकरशाही के जरिए लागू करने का काम किया। जब वह प्रधानमंत्री थे तो पूरी राजनीतिक शक्ति सोनिया गांधी के पास थी. जो उस समय तमाम निर्णायक फैसलों से जुड़ी रहीं। उनके पास ही वह शक्ति थी. जिससे वह मनमोहन सिंह को कोई भी फैसला लेने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें किसी निर्णय को लेने से रोक भी सकती थीं। इसी तरह जब सिंह वित्त मंत्री थे, तब वस्तुतः प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने ही अर्थव्यवस्था के उदारीकरण को हरी झंडी दिखाई। यह एक विडंबना ही है कि राव को भारतीय इतिहास में वह सम्मान और स्थान नहीं मिला, जिसके वह सर्वथा सुपात्र थे। उन्होंने शीत युद्ध के बाद अस्थिरता वाले वैश्विक दौर में भारत को सही राह दिखाई और 6 दिसंबर 1992 की घटना को लेकर उन पर चाहे जितने सवाल उठें, इससे उनकी विरासत संदिग्ध नहीं हो जाती। राजनीति में सक्रिय लोगों की यात्रा उतार-चढाव वाले विभिन्न पडावों से होकर गुजरती है। बेशक

लिखा है, मुझे आपका पत्र 8 मई

राजनीतिक परिवारों से आने वालों की राह भी आसान नहीं रहती. लेकिन जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं होती, उनके लिए यह यात्रा और कठिन हो जाती है। जो किसी तरह के प्रत्यक्ष चुनाव के जरिए आगे बढ़ते हैं, वही असल राजनीतिक राह के पथिक बनते हैं। चुनावों के जरिए मिलने वाले राजनीतिक सबक ही किसी को खांटी नेता के रूप में ढालते हैं। उससे उन्हें समझ आता है कि जनता की नब्ज को कैसे भांपना है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि ऐसे नेता जनता का भरोसा जीतने में सफल होते हैं. क्योंकि वे लंबे समय तक उनके साथ संवाद से जान जाते हैं कि लोगों के मन में क्या है और वे क्या चाहते हैं। वे लोगों के सुख-दुख के साथी बन जाते हैं। यह कुछ ऐसा अनुभव है, जिसे अकादिमक जगत के लोग टेक्नोक्रेट और निजी क्षेत्र के पेशेवर शायद कभी अर्जित नहीं कर पाएं। इसलिए यह पूरी तरह उचित ही है कि लोकतांत्रिक

राजनीतिक पदों पर बैठने के योग्य हैं, जो लोगों का भरोसा जीत पाएं। प्रधानमंत्री के मामले में यह पहलू और भी उल्लेखनीय हो जाता है। यह ऐसा पद नहीं, जिसे कभी आउटसोर्सिंग से भरा जाना चाहिए। यह मनमोहन सिंह की उपलब्धियों, अनुभव और व्यक्तित्व का अवमुल्यन करने का प्रयास नहीं, बल्कि इसका सरोकार भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के व्यापक हित से जड़ा है। लोग जनादेश के जरिए ही अपना भाग्य विधाता चुनते हैं और ऐसा व्यक्ति किसी अन्य को अपने अधिकार नहीं सौंप सकता। भले ही वह व्यक्ति लंबे समय से राज्यसभा में ही क्यों न रहा हो। देश 2004 से 2014 के बीच इन्हीं स्थितियों का साक्षी रहा। जनादेश की यह कसौटी जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी तक लागू होती है। मोदी जनादेश के दम पर ही राजग का नेतृत्व कर रहे हैं। क्या यह उचित रहता कि वह पर्दे के पीछे से सक्रिय रहकर

किसी पेशेवर को प्रधानमंत्री का पद सौंप देते। इस बिंदु पर विचार तक नहीं किया जा सकता, क्योंकि लोगों की ही यही अपेक्षा है कि जब तक उनकी चाहत है, तब तक मोदी ही नेतृत्व करें। निःसंदेह यह नहीं कहा जा सकता कि नेताओं या प्रधानमंत्री की राजनीतिक मजबूरियां या आग्रह नहीं होते। निःसंदेह ऐसा होता है और वे उन्हीं के दायरे में अपने विकल्प चुनते हैं। माना जाता है कि अटल बिहारी वाजपेयी जसवंत सिंह को वित्त मंत्री बनाना चाहते थे. लेकिन संघ परिवार के दबाव में ऐसा नहीं कर पाए। बहुत बाद में जाकर 2002 में वह जसवंत सिंह को वित्त मंत्रालय का जिम्मा सौंप सके। यह दशार्ता है कि तब सत्ता समीकरण अटलजी के अधिक अनुकूल हो गए थे। राजनीति का यही चरित्र और प्रकृति है। इसी तरह स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक दौर में जवाहरलाल नेहरू को अपनी ही पार्टी के परंपरावादी तबके के दबाव से जझना पडा, लेकिन बाद

में चुनावी जीत के जरिए ही वह अपनी पकड़ मजबूत बनाने में सफल रहे। यही बात इंदिरा गांधी के बारे में कही जा सकती है. जिन्होंने कांग्रेस को दोफाड़ कर अपना राजनीतिक वर्चस्व स्थापित किया। महान प्रशासक, रणनीतिक विशेषज्ञ, सैनिक, अकादिमक, उद्यमी, राजनयिक, कलाकार और अन्य विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय लोग देश के प्रति अपने-अपने स्तर पर योगदान देते हैं। वे सम्मान और प्रतिष्ठा के पात्र हैं। इसके बावजद उन्हें शीर्ष राजनीतिक पद की आकांक्षा नहीं करनी चाहिए और यदि जनादेश प्राप्त लोग अपने हितों को देखते हुए उन्हें ऐसी कोई जिम्मेदारी सौंपते हैं तो फिर उस दौरान लिए गए अच्छे-बुरे फैसलों का दारोमदार भी उन्हीं राजनीतिक लोगों का होना चाहिए, जो उन्हें सत्ता सौंपते हैं। उन लोगों के बीच स्पष्ट रूप से अंतर किया जाए, जिन्हें चुनावी प्रक्रिया के जरिए लोगों का भरोसा प्राप्त होता है और जिन्हें जनादेश हासिल करने वाले तोहफे में सत्ता सौंप देते हैं।

Social Media Corner

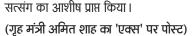
सच के हक में.

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा जी को जन्मदिन की हार्दिक शूभकामनाएं। अपने विनम्र और मेहनती स्वभाव के कारण उन्होंने खुद को त्रिपुरा के लोगों का प्रिय बना लिया है। राज्य के सर्वांगीण विकास पर उनके ध्यान के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। वह लंबा और स्वस्थ जीवन जिएं।

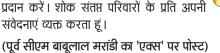


(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन बलिदान, साहस और समर्पण का प्रतीक है। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर नई दिल्ली के गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में मत्था टेककर



रामगढ़ में हुए सड़क हादसे में 3 स्कूली बच्चों सहित 4 लोगों के मृत्यु की दुखद सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं दुर्घटना में घायल बच्चों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी





से महाकंभ की शरूआत हो रही है। 14 जनवरी को मकर संक्रांति का दूसरा स्नान है। इसे शाही स्नान और अमृत स्नान भी कहते हैं। संगम के मेला क्षेत्र में महाकुंभ नगर सज-धजकर तैयार है। दुनियाभर से पहुंचने वाले लाखों-करोड़ों तीर्थयात्रियों को संचार संपर्क में असुविधा न हो, इसके लिए केंद्रीय दुरसंचार विभाग (डीओटी) ने व्यापक इंतजाम किए हैं। डीओटी ने संपूर्ण मेला क्षेत्र, प्रयागराज शहर और उत्तर प्रदेश के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में दूरसंचार के बुनियादी ढांचे को अपग्रेड किया है। भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की वेबसाइट में उपलब्ध ब्योरे के अनुसार, प्रयागराज शहरी क्षेत्र में 126 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाया गया है। इसके अलावा 328 नए टावर स्थापित किए गए हैं। मजबूत और निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए 1462 मौजूदा बीटीएस इकाइयों का उन्नयन किया गया है। इसके अलावा 575 नए बेस ट्रांसीवर स्टेशन बनाए गए हैं। यही नहीं, अकेले मेला क्षेत्र में हाईस्पीड विश्वसनीय नेटवर्क कवरेज प्रदान करने के लिए 192 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर

केबल बिछाई गई है। 78 सीओडब्ल्यू

(ट्रांसपोर्टेबल टावर) से मेला क्षेत्र को कवर

किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि

यागराज में 13 जनवरी को पौष पर्णिमा रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और हवाई अड्डों में दरसंचार सेवा हर हाल में परी क्षमता से काम करे। प्रयागराज जनपद के सभी महत्वपर्ण मार्गी पर भी ऐसी ही व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र में 53 हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। यह डेस्क संदिग्ध धोखाधड़ी, खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक करने जैसी सेवा प्रदान करेंगे। मेला अवधि के दौरान आपातकालीन अलर्ट, आपदा चेतावनी और सामान्य सार्वजनिक जागरुकता संदेश भेजने के लिए सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सुविधा और कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) एकीकृत प्लेटफार्म की व्यवस्था की गई है। चारों दूरसंचार सेवा प्रदाता यानी एयरटेल, बीएसएनएल, जियो और वीआई संचालित तीन आपदा प्रबंधन केंद्र भी बनाए गए हैं। मेला क्षेत्र में स्थापित इन केंद्रों को प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदा की स्थिति में महत्वपूर्ण संचार चैनल प्रदान करने के लिए नवीनतम तकनीक से लैस किया गया है। महाकुंभ ऐसी महत्वपूर्ण तीर्थयात्रा है जो दुनियाभर से करोड़ों लोगों को प्रयागराज की ओर आकर्षित करती है। यह आयोजन हर 12 साल में होता है। वर्ष 2025 का महाकुंभ मेला इतिहास के सबसे बड़े समारोहों में से एक होने की उम्मीद है। इसकी सफलता के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने भी अभृतपूर्व काम किया है। योगी सरकार ने महज चार माह में बेहतरीन सुविधाओं वाला दिव्य

प्रयागराज के महाकुंभ नगर में सुविधाओं का संगम

और भव्य शहर (महाकुंभ नगर) बसा दिया है। सड़कों का जाल बिछाया गया है। इनकी कुल लंबाई 300 किलोमीटर है। एक किलोमीटर लंबाई के 30 फ्लोटिंग पुल भी बांधे गए हैं। पेयजल और सीवेज जैसी सुविधाएं जुटाई गई हैं। समृद्ध तीर्थयात्रियों के लिए फाइव स्टार डोम और जरूरतमंदों के लिए डॉरमेटरी की सुविधा का ख्याल रखा गया है। महाकुंभ नगर में आंखों का अस्पताल भी होगा। मेला प्रशासन का कहना है कि यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा अस्थायी अस्पताल होगा। यहां 45 दिन में पांच लाख मोतियाबिंद के ऑपरेशन करने का लक्ष्य तय किया गया है। प्रयाग हिंदुओं के लिए सदियों से महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। परंपरागत तौर पर निदयों का मिलन बेहद पवित्र माना जाता है, लेकिन संगम पर यह मिलन बेहद अहम माना गया है। यहां गंगा, यमुना और सरस्वती का अद्भृत मिलन होता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु अमृत से भरा कुंभ (बर्तन) लेकर जा रहे थे। असुरों से छीना-झपटी में अमृत की चार बूंदें छलक कर गिर गईं। यह बुंदें प्रयाग, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन रूपी तीर्थस्थानों में गिरीं। तीर्थ वह स्थान होते हैं, जहां भक्तों को इस नश्वर संसार से मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसे में जहां-जहां अमृत की बुंदें गिरीं, वहां तीन-तीन साल के अंतराल पर बारी-बारी से कुंभ मेले का आयोजन होता है।

गिरे हैं, दूटे नहीं

रविवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में एक दशक लंबे दबदबे का अंत हो गया। बॉर्डर गावस्कर टॉफी क्रिकेट में कद के मामले में एशेज के बाद दुसरी सबसे बड़ी ट्रॉफी है और दर्शक संख्या के आधार पर सबसे बड़ी। इस पर 2015 के बाद से भारत का कब्जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने पिछली बार यह खिताब 2014-15 की घरेलू सीरीज में जीता था और उसके बाद भारत ने चार बार ट्रॉफी अपने नाम की। जीत का यह सिलसिला सिडनी में हुए पांचवें टेस्ट के साथ खत्म हुआ, जिसमें पैट कमिन्स और उनके साथियों ने छह विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज 3-1 से अपनी मुट्टी में कर ली। जीत के अंतर से दोनों टीमों के बीच भारी फर्क लग सकता है। लेकिन, ऐसा कतई नहीं था। कई लम्हे थे, जो भारत के थे और वह विजेता के मंच तक पहुंच सकता था। यह एक ऐसी सीरीज थी, जिसमें बल्लेबाज बेहतरीन तेज गेंदबाजों के सहायक की भूमिका में रहे। कोई हैरत नहीं कि जब तेज गेंदबाजों में सबसे प्रबल जसप्रीत बुमराह बीते टेस्ट में घायल हो गए और ऑस्ट्रेलिया की दुसरी पारी के दौरान गेंदबाजी नहीं कर पाए, तो मेजबानों की चांदी हो गई। बुमराह ने इस सीरीज की शुरूआत बतौर कप्तान की। फॉर्म से बाहर चल रहे नियमित कप्तान रोहित शर्मा के क्लाइमेक्स के समय मैदान से हटने पर वह एक बार फिर इस जिम्मेदारी में लौटे। कुल 32 विकेटों के साथ वह तालिका में सबसे ऊपर रहे। इतना ही नहीं, अपनी दमदार बल्लेबाजी से उन्होंने ब्रिस्बेन के गाबा में भारत को फॉलोआन से बचाने में भी मदद की। भारतीय टेस्ट टीम का बदलाव से गुजरना तय है, खासकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में नाकामी के बाद। चेतेश्वर पुजारा व अजिंक्य रहाणे को बाहर करने और अब सीरीज के बीच में आर. अश्विन के संन्यास से निपटने के बाद चयनकताओं और कोच गौतम गंभीर को विराट कोहली, रोहित और रवींद्र जडेजा के भविष्य पर विचार करने की जरूरत है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Reforms must give us a cutting edge

INDIA's composite defence and military ecosystem is critical for ensuring that national security and sovereignty are not endangered. This domain has been accorded priority by Prime Minister Narendra Modi since he assumed office in 2014.

The need for a holistic review and necessary reforms was long acknowledged — an issue that the late Dr Manmohan Singh often flagged in his interaction with the military top brass — but the institution remained reluctant to go down this path.

During his second term, PM Modi announced the creation of the post of Chief of Defence Staff. However, the task of initiating defence reforms is mammoth, and it remains a work in progress. The entire organisation that is the responsibility of the Defence Minister is like an octopus, whose many tentacles — some going back to the colonial period (ordnance factories, for example) — are insular, prickly and tenaciously resistant to change. This, incidentally, is not an Indian trait. Most militaries the world over are steeped in tradition and slow to adapt to change — this is part of the institutional DNA.

Thus, it is encouraging to note that in PM Modi's third term, 2025 has been designated as the 'Year of Reforms'. Defence Minister Rajnath Singh highlighted this move at the 67th Foundation Day the Defence Research and Development Organisation (DRDO) last week. He dwelt on the crucial role the organisation could play in realising the objectives of these much-needed reforms.

In a nutshell, the core objectives of India's defence reforms are: One, to move the needle of national combat readiness, as warranted by national security and shaped by contemporary technostrategic and geopolitical compulsions; and two, to reduce dependency on external sources that provide critical platforms/inventory items/technology. The DRDO and the larger national scientific and manufacturing ecosystem have a major role in this endeavour. Rajnath Singh exhorted scientists to improve their core competencies and set an ambitious benchmark. He added, "The DRDO should aim to become one of the strongest research and development organisations in the world." He also commended the design team that enabled the success of the Long-Range Hypersonic Anti-Ship Missile, which is the most recent feather in the sparsely burnished DRDO cap. However, the structural constraints and legacy issues related to India's defence R&D and manufacturing need to be addressed if the stated objective is to be realised. India does not figure among the top R&D nations of the world, and the defence sub-sector has a relatively modest record in terms of investments and scientific output over the decades, barring a few islands of innovation. In September last year, DRDO Chairman Samir V Kamat pointed out that India spent only 0.65 per cent of the national GDP on R&D. The contrast with other nations is striking. Their respective R&D spending as a percentage of the GDP is: the US, 2.83; China, 2.14; France, 2.19; and South Korea, 4.8. Kamat added that the government was aware of this insufficiency and that over the next few years, during Modi 3.0, this modest figure will hopefully rise to 1 per cent of the GDP and be doubled to 2 per cent by 2035. But on current evidence, this is a low-probability exigency and may need a major political intervention, especially since the whole defence budget just touches 2 per cent of the GDP. The legacy challenge for the DRDO and the extended defence-military ecosystem is that India continues to have high dependency on foreign imports to maintain its minimum combat readiness. In the decade from FY 2012-13 to 2021-22, as per a report of the Parliamentary Standing Committee on Defence, India's capital expenditure for military inventory acquisitions

This proportion blunts India's claim to credible strategic autonomy. PM Modi's prioritisation of 'atmanirbharta' (self-reliance) over the past decade is laudable, but the gestation periods are very long and a broad-brush review of the DRDO and defence public sector undertakings (DPSU) indicates a pattern that needs a review.

35 per cent; it hit 49 per cent in one year.

Balancing privacy rights and investigative powers

Denying ED access to computers and mobile phones of offenders needs to be examined as electronic and digital devices have almost become an extension of human memory.

THE Supreme Court recently upheld a high court order quashing the arrest of former Haryana MLA Surender Panwar in a money-laundering case, while terming his 15-hour-long interrogation by the Enforcement Directorate (ED) as 'high-handedness' and 'inhuman conduct'. In another case, on December 13, 2024, an interim order of the SC drew the red line for the ED over access to and copying the content stored in computers and mobile phones seized from Santiago Martin, the 'lottery king', and his associates. The court did not prescribe any date Accordingly, the Bharatiya Sakshya Adhiniyam, 2023 for lifting the ban in the Santiago case. It ordered that the matter be heard along with other connected cases in which the ED's demand to the applicants to produce electronic devices had been challenged and guidelines were sought for such seizures.

If the interim order in the case becomes a precedent, it would have serious consequences on the powers of the law enforcement agencies (LEAs). However, at the same time, it would be a welcome reminder to the citizens that their fundamental right to life, including right to privacy, and the constitutional guarantee against self- incrimination are sacrosanct and that 'fishing expeditions' by the LEAs under the cover of investigations are not to be allowed. Justice Felix Frankfurter, in Nardone vs United States (1939), gave the "exclusionary rule of evidence" and stamped the "doctrine of fruits of the poisonous tree". It postulates that illegally procured evidence becomes inadmissible in court proceedings;

if the source of evidence or the evidence itself is tainted, anything gained from it is also tainted and cannot be used against the accused.

Evidence collected by questionable means, like by using unauthorised phone-tapping or recording without the knowledge of the subject, accessing private information and personal secrets contained in electronic gadgets, conducting illegal and unwarranted searches and recording events using secret cameras, etc, certainly fall in the category of tainted evidence. Indiscriminate confiscation of personal laptops and mobile phones by the LEAs and accessing the contents stored therein also run the risk of intruding into privacy, compromising business secrets and fishing into private affairs of individuals; at times, even bringing their personal

and business activities to a halt. On the other hand, tracing the digital footprint and filtering the electronic record of suspects have become a necessity in almost all heinous crimes, including crimes against women, financial scams, moneylaundering, drug trafficking and offences against the state and national security, etc. Perhaps, this is the reason the legislature, hitherto, has refrained from subscribing to the doctrine of "fruits of the poisonous tree" in Indian laws.

(BSA), which prescribes rules of evidence, is silent on the admissibility of illegally procured evidence, although it declares confession caused by inducement, coercion, threat or promise irrelevant in



criminal proceedings. Even the SC, in RM Malkani vs State of Maharashtra (1972), has validated the admissibility of illegally tape-recorded evidence. In the case of Umesh Kumar vs State of AP (2013), the court has observed: "Even if a document is procured through unlawful means, its admissibility would not be barred if it is relevant and genuine."

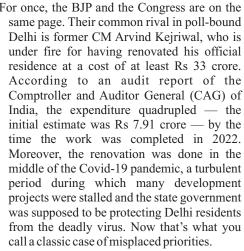
In fact, Indian laws put the relevancy of evidence on a higher pedestal than the source of its procurement. Illegally collected evidence is admissible even after the right to privacy has been recognised as a Fundamental Right by the Supreme Court in Justice KS Puttaswamy (retd) vs Union of India and Others (2017). In fact, in our constitutional scheme, no right, including the right to life, is absolute and may be curtailed in accordance with the procedure established by law. Under Section 349 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023 (BNSS), the court can force a suspect to give his handwriting and voice sample; Section 53 of the BNSS allows even the extraction of body fluids from an accused person by force to meet the demand of investigations. Electronic and digital devices have almost become an extension of human memory for a majority of the people nowadays. In Selvi and Others vs State of Karnataka (2010), the Constitutional Bench of the SC allowed the recovery of information from the mind of an accused after obtaining his informed consent before the court by resorting to 'narco-analysis', 'brain-mapping' and 'lie detection test', as an aid to investigation.

> Denying ED access to the computers and mobile phones of offenders needs to be examined in this backdrop, too. The interim order in the case should also be viewed in light of the fact that electronic and digital records are included in the definition of 'document', as contained in the BSA, and Sections 94 to 97 of the BNSS empowers the LEAs to summon, undertake searches and seize documents during investigations. The order has the implication of taking away this power from the LEAs and may halt investigations in those cases where digital and electronic evidence are crucial.

The investigation needs of the LEAs and yardsticks to judge the admissibility of evidence in courts are two separate domains. Whereas a strict law of evidence needs to be applied during the trial, the LEAs deserve freedom, under strict vigilance of the court, to find out and present the truth before the courts. The protection of citizenry from overzealous law enforcers, though, is equally important. Unarguably, the issues at hand in the case are contentious. Finding a balance between the contrary demands of the LEAs for just investigations and safeguarding the constitutional rights of the people, both at the same time, is a tightrope walk. It is, however, a given that any blanket prohibition on the powers of the LEAs would not augur well for public safety and national security. Every case needs to be decided on its own merit.

The Kejri splurge

House renovation row dents ex-CM's image



The damning report has dented Kejriwal's carefully constructed 'aam aadmi' image, giving the BJP and the Congress ample fodder



to target the ruling AAP, which is eyeing a hat-trick in the

upcoming Assembly elections. Splurging Rs 96 lakh on curtains and Rs 66.9 lakh on marble stone for walls, and that too at a time when people were falling ill or dying, is simply unacceptable. Kejriwal, who has projected himself as a commoner CM from the outset, has a lot of explaining to do. The extravagance was avoidable, to say the least.

The CAG report has also put the Public Works Department on a sticky wicket, citing irregularities in the remodelling of the groundfloor accommodation and the construction of an additional storey. A fair and thorough probe is needed to establish the complicity of officials. As of now, the case has become a hot-button poll issue in the Capital. At stake is the credibility of AAP, whose top leaders have been accused of corruption by Central agencies. The party has its work cut out to regain the trust of voters, who gave it a landslide mandate in 2015 and 2020.

Pakistan punishes Taliban for TTP attacks

Pakistan will continue to face the brunt of TTP attacks, as the latter's crusade is religious and such militant groups seldom abandon their ideological beliefs.

ON December 24 last year, Pakistan launched targeted attacks against Tehrik-e-Taliban Pakistan (TTP) hideouts in the Paktia province of Afghanistan, killing dozens of people, mostly women and children. This was in response to the TTP's raids against Pakistani security forces on December 21 in south Waziristan, which resulted in the killing of 16 Pakistan soldiers.As US-made weapons seized during the Taliban takeover of Afghanistan in August 2021 became available to the TTP, it increased its attacks inside Pakistan in 2024, killing 1,612 security personnel and others in 444 terrorist attacks. Last year was the deadliest in terms of terror attacks, as per Pakistani sources. Pakistan's reading of the Taliban — whom it reared and supported for more than two decades against the US-led international security forces in the expectations of having a friendly regime in Kabul, which would provide it with "strategic depth" — has turned out to be completely wrong. The Taliban has accused Islamabad of pocketing much of the international aid it got from the US and other countries in the name of Afghanistan. The two countries have also differed on the installation of a fence by Pakistan in the bordering areas as Afghanistan does not accept the Durand Line marking the border, claiming that it was an artificial line dividing the Pashtuns unfairly on both sides. In 2021, the then Imran Khan government of Pakistan engaged in peace talks with the TTP, which were facilitated by the Taliban. The year-long negotiations, which included a brief ceasefire, failed without the ceasing of attacks by the TTP. According to some Pakistanis, these talks provided useful time to the TTP to regroup and boost its strength. Pakistan has given several warnings to the Taliban at the

highest levels, but the latter has shown no serious intent to control the TTP. The Taliban and TTP share ethnic ties and have fought together against the West for years. The Taliban has ideological sympathy with

the TTP's objective of establishing a Sharia state in the tribal areas of Pakistan and uses TTP's militant activities to pressure Pakistan whenever it wants. Also, if the Taliban were to take harsh action against the TTP, the latter's fighters could defect to the Islamic State of Khorasan (ISK), an offshoot of ISIS, with whom they share jihadist beliefs and deep-rooted bonds and which is active in several parts of eastern and north-western Afghanistan. It would, thus, weaken the Taliban and strengthen its enemy.At present, the Taliban has given a decisive blow to the ISK, killing several of its senior commanders and keeping the group's terror activities under check.

The TTP attacks have increased destabilisation and insecurity in Pakistan and encouraged other dissident

groups, such as the Balochs and Pashtuns, to fight against the Pakistani state. Pakistan's hopes of attracting foreign investment from Saudi Arabia and the UAE have not borne fruit. China, which is Pakistan's "iron brother" is unhappy about inadequate security arrangements for its 1,200 workers who are building critical infrastructure in Pakistan as the TTP and Baloch separatists have targeted Chinese experts in several attacks. With Pakistan unable to pay China's loans and provide foolproof security to its personnel, China has stalled work on most projects. The TTP attacks leave Pakistan with few viable options. Pakistan has no desire to mount a full-scale war — which it is



unlikely to win — against the Taliban. It has seen how the Afghans have fought valiantly against the Soviets and Americans in the last four decades. The Taliban may not have a big army like Pakistan, but it has a brilliant record of mounting guerrilla operations, with its human suicide bombers and hitand-run attacks. Even Pakistan's allies like China and the US would not favour that option for their own reasons. The US would not like the Taliban to be distracted from its fight against the ISK. China nurtures the ambition to extend its Belt and Road Initiative to Afghanistan and carry out projects in mining, oil exploration and infrastructure sectors. Also, then the Taliban will not be able to control the

> China-centric terror group, the East Turkestan Islamic Movement, in Afghanistan.

The deterioration in Pakistan's relations with the Taliban has allowed India to reassess its policy towards the Taliban, reopen its embassy and provide emergency assistance to the Afghan people and consider resuming work on its economic projects in Afghanistan. The Afghan Embassy in New Delhi is now being run by the representatives of the Taliban government.Pakistan has taken a few steps to increase the cost for the Taliban in allowing the TTP. These include the repatriation of about 8,00,000 Afghan refugees and disruption of Afghanistan's land trade via Pakistan. These measures were not liked by the US and others as they felt that the Taliban was already facing a grim humanitarian

situation, with a shortage of food, energy and other essential items, and was hardly in a position to look after so many more people. The Taliban has also not relented in any of its policies about broad-basing its government, allowing education to women beyond the middle school or other human rights despite facing severe sanctions and near-total isolation on the world stage. It has enforced its religious codes of conduct in an authoritarian manner, oblivious of the global public opinion.

Quadrant Future Tek IPO Day 2: Check latest subscription, GMP and price band

NEW DELHI. The Quadrant Future Tek IPO, which opened for subscription on January 7, witnessed strong investor interest, with the issue fully

As of 11 am on Day 2, the IPO had been subscribed over 24 times. Retail investors drove the momentum, with the retail portion subscribed 78.58 times, while the non-institutional investor (NII) category saw 36.31 times subscription. The Rs 290-crore IPO is a completely fresh equity issue of 1 crore shares. Investors can bid for the public issue at a price band of Rs 275-290 per share, with a minimum lot size of 50 shares. The bidding window for the IPO will remain open until January 9

The grey market premium (GMP) for Quadrant Future Tek IPO stood at Rs 210 as of Wednesday, signalling a premium of approximately 73% over the issue's upper price band of Rs 290. While GMP is not an accurate market listing indicator, it reflects positive sentiment in the unofficial market.

OTHER IPO DETAILS

The IPO's strong response is backed by the company's potential to benefit from robust growth in the Indian specialty cable and train control system markets. Analysts have recommended subscribing to the issue, citing fair valuations and the company's strategic position.Quadrant Future Tek specialises in developing next-generation Train Control and Signaling Systems under the Indian Railways' KAVACH project. It also manufactures specialty cables for railway and naval defense sectors.

The IPO proceeds will fund long-term working capital needs, capital expenditure, loan repayments, and general corporate purposes. The allotment is scheduled for January 10, with the listing expected on

Explained: Why Indo Farm Equipment share price rose over 7% in early trade

NEW DELHI. Shares of Indo Farm Equipment gained momentum on Wednesday, rising over 7% to hit an intraday high of Rs 292.30 in early trade. The surge follows the company's strong stock market debut in the previous session. However, the early gains were short-lived as profit booking pulled the share price down within an hour. By 10:39 am, the stock was trading at Rs 276.50, just 1.39% higher than its previous closing price of Rs 272.70.On January 7, Indo Farm Equipment's shares closed with a premium of over 27% against the issue price of Rs 215. The stock opened at Rs 258.40 on the Bombay Stock Exchange (BSE), reflecting a 20.18% premium. It surged 33.44% during the session to hit Rs 286.90 before closing at Rs 272.70, marking a gain of 26.83%.On the NSE, the stock debuted at Rs 256, up 19%, and ended the day at Rs 273.69, a 27.29% gain.

The Rs 260-crore initial public offering (IPO) of Indo Farm Equipment received an overwhelming 227.57 times subscription on its final bidding day. Priced in the range of Rs 204-215 per share, the IPO comprised a fresh issue of 86 lakh equity shares and an offer for sale (OFS) of 35 lakh shares by promoter Ranbir Singh Khadwalia. Proceeds from the IPO will be used to expand the company's manufacturing capacity for pick-and-carry cranes, repay debt, and enhance its capital base by

Indo Farm Equipment is a leading manufacturer of tractors, pick-and-carry cranes, and other farm equipment, which has positioned it for growth in India's agricultural and construction sectors.

CoinSwitch to launch Rs 600 cr recovery plan for hack victims



BENGALURU. Crypto platform CoinSwitch has launched a Rs 600 crore recovery programme to help users impacted by cyberattack on WazirX. It said this will provide an opportunity to users to recoup losses.

A cyberattack on WazirX in July last year led to the theft of about Rs 2,000 crore worth of funds.

"As an industry leader, we wanted to do our bit to help the ecosystem, especially now, when the market has picked up. We don't want crypto investors in India to miss opportunities. This program is an important step to rebuild what was lost," said Ashish Singhal, co-founder, CoinSwitch. The platform, which has over 2 crore users, said the programme will be rolled out in a way that it delivers maximum value to impacted users. Singhal said users wssho were affected due to cyberattack can recover losses and re-enter the market. Users can upload their WazirX statements for verification and estimate recovery on CoinSwitch Cares portal. It said eligible users can earn up to 10% of the funds deposited through this program over two years.

How drug-smuggling detection soared in run-up to Christmas, New Year

NEW DELHI. The detection and seizure of weed and cocaine by customs officials across Delhi, Mumbai, Chennai, and other zones surged in the run up to the Christmas and New Year celebrations, with cases even involving foreign nationals concealing narcotics worth crores in their bodies.

Delhi customs reported registered nearly half a dozen cases in December alone involving foreign nationals arriving at Indira Gandhi International Airport (IGI) from Kenya, Brazil, the Philippines, and other countries hiding over Rs 50 crore worth of cocaine capsules inside their bodies. Just a week before Christmas, Mumbai customs reported multiple large seizures of hydroponic weed (marijuana) worth crores at Mumbai International Airport. The contraband was hidden in breakfast cereal boxes, passenger baggage, food packets, undergarments, and toys. Earlier last month, Mumbai customs destroyed narcotic drugs and psychotropic substances (NDPS), such as heroin, cocaine, marijuana, and charas worth Rs 410 crore, weighing nearly 55

kg, at the Common Hazardous Waste Treatment, Storage & Disposal Facility in Navi Mumbai. Meanwhile in Chennai, customs reported that the Air Intelligence Unit seized cocaine worth Rs 14.2 crore, weighing 1,424 grams, from a Kenyan woman traveling from Addis Ababa on December 7.

Modus Operandi

In what could suggest the involvement of organised crime networks, traffickers could be using identical methods to smuggle cocaine into the country since a number

of cases emerged where capsules were hid inside human bodies and required medical extraction at Delhi's Safdarjung Hospital.In one such case, Delhi customs intercepted two passengers, a man and a woman, traveling from Sao Paulo, Brazil, via Paris on December 24. Both passengers exhibited "unusual behaviour" after crossing the green channel and "voluntarily" admitted to



carrying illicit goods.Under medical supervision at Safdarjung Hospital, a total of 105 capsules containing 937 grams of cocaine were recovered from the male passenger, while 58 capsules containing 462 grams of cocaine were recovered from the female passenger. The estimated value of the seizure was Rs 20.98 crore, officials said in a statement. Another case involved a

Filipino national traveling from Bangkok via Addis Ababa on December 13. The individual had ingested 90 cocaine capsules, weighing 676 grams and valued at Rs 10.14 crore, which were extracted through medical procedures.

Intelligence Input

While vigilance and "cutting-edge profiling techniques" are being used to prevent the entry of illicit products into the country, customs officials

are also relying on intelligence inputs to identify perpetrators.

For instance, on December 19, Mumbai customs intercepted a passenger arriving from Bangkok and seized hydroponic marijuana worth Rs 11.32 crore. The contraband, weighing 11.322 kilograms, was hidden in vacuum-sealed plastic pouches inside the passenger's trolley

Budget 2025: Salaried earners up to Rs 15 lakh may get tax relief. Details here

NEW DELHI. The upcoming Budget 2025-26 is likely to introduce significant tax benefits aimed at individuals earning up to Rs 15 lakh annually. These measures are expected to increase disposable incomes, spurring consumption in urban areas where most taxpayers reside. Sources indicate that the government is eyeing tweaks to the new income tax regime, introduced in FY 2020-21, which has attracted over 70% of taxpayers due to its simplified structure and regular

PROPOSED CHANGES IN TAX STRUCTURE

enhancements.

Currently, under the new regime, income up to Rs 3 lakh is tax-free, while earnings between Rs 3 lakh and Rs 6 lakh are taxed at 5%, Rs 6-9 lakh at 10%, Rs 9-12 lakh at 15%, Rs 12-15 lakh at 20%, and above Rs 15 lakh at 30%. A standard deduction of Rs 75,000 ensures that incomes up to Rs 7.75 lakh are tax-free.

STRUCTURE

Currently, under the new regime,

income up to Rs 3 lakh is tax-free, while earnings between Rs 3 lakh and Rs 6 lakh are taxed at 5%, Rs 6-9 lakh at 10%, Rs 9-12 lakh at 15%, Rs 12-15 lakh at 20%, and above Rs 15



lakh at 30%. A standard deduction of Rs 75,000 ensures that incomes up to Rs 7.75 lakh are tax-free. The changes aim to provide relief to urban taxpayers, who face rising inflation and form the bulk of the consumptiondriven economy. Experts believe that revising tax slabs by raising thresholds by Rs 1 lakh each could significantly lower tax burdens, encouraging higher spending.

PROPOSED CHANGES IN TAX Sudhir Kapadia, EY India Tax & Regulatory Services partner, while speaking to Financial Express, stated,

"Majority of income taxpayers live in urban areas where most of the consumption also takes place. Given that inflation is hurting people in the CHENNAI. Smuggling of misbranded cigarettes lower income strata, each IT slabs can be raised by 1 lakh each."

He added, "To boost consumption, especially in urban areas (where the majority of income taxpayers reside), expanding slabs at lower and middleincome levels, that is, up to 20% tax bracket should be considered."

RISING TAX REVENUES SUPPORT **REFORMS**

With personal income tax collections rising 25% to Rs 7.41 lakh crore during April-November FY25, the government is in a strong position to implement these reforms. Unlike corporate taxes, personal tax receipts have consistently surpassed targets, providing fiscal space for relief measures. The anticipated changes could be a game-changer, delivering much-needed relief to taxpayers while stimulating economic activity. If implemented, Budget 2025-26 could mark a win-win for individuals and the broader economy alike.

Smuggling of misbranded Indian cigarettes causing Rs 20k crore tax revenue loss, funding terrorism: ITC to Union MoF

from south-east Asian countries into India causes an annual tax revenue loss of Rs 21,000 crore, apart from helping finance terrorism, India's biggest cigarette manufacturer has cautioned in a letter to the Union finance ministry, sources said. The letter written by ITC Ltd, forwarded to all Customs and Directorate of Revenue Intelligence (DRI) formations last month, flags widespread smuggling of counterfeit cigarettes via air, sea and land routes, as well as speed post from foreign countries, mainly south-east Asia and Middle East, to India. Apart from tax losses and funding organised crime rackets, this affects tobacco farmers as cigarettes are manufactured abroad, the letter stated.

DRI data shows seized 9.1 crore cigarette sticks worth Rs 179 crore were seized in antismuggling operations in 2023-24, over 50% of which was via sea route. This is a 33% rise from last year and nearly double of what was seized in 2019-20. DRI and Customs together seized 17.85 crore sticks in FY24 worth Rs 308 crore.

One of the biggest seizures in FY24 of 63.7 lakh cigarette sticks was in Chennai port. Customs officials, both at seaports and airports in Chennai and Trichy, routinely foil cigarette smuggling bids. About 20 lakh cigarettes worth Rs 3.5 crore concealed in bitumen drums were seized at Chennai Port last month.

uch counterfeit cigarettes are available across India, officials said. DRI identifies India as a key destination and transit hub for illicit tobacco products, which poses challenges to public health, economy and law enforcement. This is a profitable venture for criminal networks, DRI said. There are two main reasons for this illega trade. Indian probe agencies say cigarettes are subject to high taxes and import duties intended to curb consumption. The cost difference in legal cigarettes and smuggled ones is what drives this trade. Officials estimate the margin on sale of each smuggled stick at Rs 10 and that shopkeepers can sell it at cheaper than Rs 18-20 that Indian made cigarettes cost.

Profits are huge even after adding shipping costs as labour costs in south-east Asian countries like Cambodia and Vietnam is lower, officials say.

Secondly, though branding on smuggled cigarettes is similar to originals, they don't comply with packaging and labelling regulations, officials say. Postulating that the seizures made by agencies might only be the tip

Sensex, Nifty open lower amid weak sentiments; Reliance jumps 2%

market indices fell on Wednesday as economic growth in FY25 to decelerate to 6.4%, much lower than the 8.2% in FY24.The S&P BSE Sensex was down 141.64 points to 78,057.47 at 10:09 am, while the NSE Nifty50 was trading 42.60 points lower at 23,665.30.All the other broader market indices were also trading in the red as the situation remains volatile on Dalal Street.High-weightage Nifty IT, Nifty Bank and Nifty Financial were all trading in negative territory. However, shares of Reliance Industries Limited (RIL)

Benchmark stock rose over 2% and helped counter the doing very well. This means the Fed negative trend.

government data estimated The top five gainers on the Nifty50 were Reliance Industries Limited, Dr Reddy's Laboratories, ONGC, Axis Bank and BPCL.On the other hand, the top losers were Trent, Shriram Finance, Titan, BEL and Adani Ports.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services also highlighted that the trend of strong US macros weakening emerging markets is continuing."The US 10-year bond yield has spiked to 4.67% on betterthan-expected jobs numbers and indications of the services sector

may hold rates in January leading to further strengthening of the dollar and rising bond yields," he said.

Vijayakumar added that the fall out of this on the Indian macros is that the RBI may hold rates in February against the market expectation of a cut."In this macro setting, FIIs are likely to continue selling, putting pressure on the market. Large caps, despite fair valuations, may continue to be on the defensive," he said and advised investors to take a slightly long-term view of the market and buy largecaps in financials, IT, pharmaceuticals and select autos.

BP beats Shell to win bid to operate ONGC's Mumbai High fields

ONGC sought bids from firms with annual revenue of at least USD 75 billion, according to the tender document.

NEW DELHI. BP Plc has won a bid to operate ONGC's giant Mumbai High oil and gas field by offering up to 60 per cent increase in output over baseline, the stateowned firm said on Wednesday.Stateowned Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) had in June last year floated a tender seeking foreign partners to reverse declining output at its flagship Mumbai High fields, offering a share of revenue from incremental production plus a fixed fee but not any equity stake.

The tender attracted two bidders – BP and Royal Dutch Shell.After the bid evaluation process, BP Exploration (Alpha) Ltd, a wholly-owned step-down subsidiary of BP Plc, UK has been selected as the technical service provider (TSP)," ONGC said in a stock exchange filing."The TSP will review the field performance and identify improvements in reservoir, facilities and wells to enhance the production from Mumbai High field. The TSP has indicated a ONGC zid not disclose the bid details.

substantial increase in oil plus oil The TSP, hich was selected on the basis of equivalent gas production (up to 60 per cent) from baseline production levels (reputed third-party vetted production estimates with natural decline) over 10 years contract period." ONGC said it had issued an international competitive bidding (ICB) tender on June 1, 2024 to engage a Technical Services Provider

(TSP) for Mumbai High Field with expertise in managing complex mature reservoirs and implementing advanced recovery technologies and best operational practices. Through this ICB tender, the company invited bids from international operators with proven technical expertise, financial strength, and a track record in similar projects.ONGC sought bids from firms with annual revenue of at least USD 75 billion, according to the tender document. The TSP would have to do a comprehensive review of the field performance and identify improvements as well as implement

suitable technological interventions and practices for improving production and recovery, it said. Bidders were asked to quote quarterly incremental production they can enable over the 10-year contract period as well as the percentage share of the revenue they want from the sale of oil and gas produced over and above the baseline production.

one offering the highest incremental production and the lowest revenue share, will also be paid a fixed service fee for its efforts, the document said.

The Mumbai High field (previously Bombay High field) - India's most prolific oil field – lies some 160-kilometer in the Arabian Sea off the Mumbai coast.



It was discovered in February 1974 and While ONGC opposed giving away on a started production on May 21, 1976.

The fieldhit a peak of 4,76,000 barrels of oil per day and 28 billion cubic meters of gas in 1989 and has since seen a gradual decline in output.It is currently producing 1,34,000 bpd of oil and 13 bcm (less than 10 million standard cubic meters per day) of gas – accounting for almost 38 per cent of India's production and 14 per cent of consumption.ONGC believes the field still has a balance reserve of 80 million tonnes (610 million barrels) of oil and over 40 bcm of gas and hence needs partners who can help tap them.

With the field seeing a steady decline in output, a stake sale had been considered on at least two occasions in recent years.A high-level committee headed by the then Niti Aayog Vice Chairman Rajiv Kumar

in late 2018 considered "transferring" western offshore oil and gas fields of Mumbai High as also some fields in Mumbai offshore, Assam, Rajasthan, and Gujarat to private/foreign companies.

But that plan met with strong opposition from ONGC and some quarters within the government, three sources with knowledge of the matter asid.

platter to private/foreign sector what it discovered after years of toil and spending billions of dollars over the last four decades, some in government were not convinced by the incremental potential toyed with to get the proposal through, they said, adding that it wasn't clear how the incremental output numbers were arrived at in the absence of any real basin or field study by the panel.

Thursday, 09 January 2025

Yet to get 40 Tejas ordered in 2010: IAF chief as China tests sixth-gen jets

Indian Air Force (IAF) chief AP Singh has raised concerns over China's astonishing pace of air force modernisation while expressing frustration over the sluggish pace of the delivery of Tejas jets.

NEW DELHI. Expressing concern over the snail-paced delivery of Tejas fighter jets, Indian Air Force (IAF) chief AP Singh lamented that it was yet to receive the first batch of 40 aircraft ordered in 2009-2010. Speaking at the 21st Subroto Mukerjee Seminar, the IAF chief asserted that the scale of production had to increase at a time when India's adversaries like China were "investing heavily in its air force". The Air Chief Marshal's scathing remarks come days after China tested its mysterious sixthgeneration stealth combat aircraft- a feat not achieved by any other nation. Singh said that the first Tejas jet flew in 2001, while induction started 15 years later in 2016.

RAISES CONCERN OVER DELAYS IN **TEJAS DELIVERIES**

"We should go back to 1984, when we conceived that aircraft. The first aircraft flew in 2001, 17 years later. The induction started another 15 years later, in 2016. Today, we are in 2024. I do not have the first 40 aircraft also, so this is the production capability," the IAF chief said, underlining that "technology delayed is



technology denied".

The Tejas is a multirole light fighter aircraft being developed by Hindustan Aeronautics Limited (HAL). It is being inducted into the IAF to replace the ageing Mig 21 fighter jet, dubbed the "flying coffin" because of its high crash rate. Underscoring the need for production agencies to invest in advanced manufacturing processes, AP Singh called for the need to rope in private players."I am very convinced that we need to get some private players in. We need to have competition. We need to have multiple sources available so that

people are wary of losing their orders. Otherwise, things will not change," the Air Chief Marshal emphasised.

CHINA TESTS 6TH GEN FIGHTER

His comments come at a time when the Air Force is facing a severe crunch in its fighter strength. It currently has 30 fighter squadrons against a sanctioned strength of 42. A fighter squadron consists of 18 aircraft. China's recent display of two sixth-generation combat aircraft, which took the world and defence experts by surprise, also found a mention in Singh's address.

In contrast, India's fifth-generation fighter jet is still at the design and development stage. A proposal to develop the jet was cleared by the Cabinet only last year, in March.Raising concerns over India's neighbour's astonishing pace of military modernisation, the IAF chief said, "As far as China is concerned, it is not just the numbers, even the technology is growing at a very rapid pace. We just saw the recent flight of the new generation fighter that they

Tibet rocked by 20 earthquakes in 24 hours: What happened in the Himalayan region

The Xizang region of Tibet, which experienced a deadly 7.1-magnitude earthquake on Tuesday morning, recorded at least 20 significant aftershocks within 24 hours.

NEW DELHI. A series of powerful earthquakes rocked Tibet on Tuesday, leaving over 120 dead and more than 400 people trapped under debris as rescue operations continued for the second day on Wednesday. The seismic activity began with a 7.1-magnitude earthquake in the Xizang region, near the Nepal-Tibet border, followed by over 20 tremors within 24 hours. The most recent quake, recorded at 6.58 am on Wednesday, registered a magnitude of 4.0 on the Richter scale. Among the series of earthquakes, 10 exceeded a magnitude of 6, highlighting the region's seismic vulnerability. Tibet, a known earthquake-prone zone, experienced over 100 earthquakes with magnitudes of at least 3.0 last year. However, quakes measuring 7.0 and above are rare, with only nine recorded since the early 20th century.

The epicentre of the disaster was located in Tingri County, near the collision point of the Indian and Eurasian tectonic plates. This tectonic activity



Delhi lawyer allegedly under stress from divorce dies by suicide

NEW DELHI. A 45-year-old Delhi-based lawyer, who was allegedly under stress due to an ongoing divorce case with his wife, shot himself dead with a licenced pistol, police said. The victim has been identified as Sameer Mehendiratta, a resident of Mukherjee Nagar.

According to the police, Mehendiratta, who died in a hospital on Tuesday evening, had been living separately from his wife amid the ongoing case. His family has alleged that Mehendiratta had been suffering from

depression as a result of the divorce

Authorities have initiated an investigation into the incident. This latest case comes days after Puneet Khurana, a bakery

owner also based in Delhi, died by suicide amid divorce proceedings with his wife. The couple were also engaged in a dispute over the bakery, called For God's Cakes, which they co-owned. According to Khurana's family, he "upset" with his wife.Last month, Bengaluru-based techie Atul Subhash died by suicide. The software engineer left behind a 24-page suicide note in which he accused his wife and her relatives of harassment and also detailed his years-long emotional distress from marital

Thick fog engulfs Delhi, over 200 flights delayed, temperature to dip further

New Delhi. A thick layer of fog blanketed Delhi and neighbouring areas as North India continued to reel under a cold wave. Visibility was significantly reduced at airports across the region, disrupting flight services. At New Delhi's Indira Gandhi International Airport (IGI), 200 flights were delayed, and four services were cancelled. In the latest advisory, the airport authorities stated that while landings and takeoffs continue, flights that are not equipped for low-visibility landings (CAT III A compliant) may be affected due to the prevailing weather conditions. Along with IGI Airport, the airports in Amritsar, Jammu, and Agra also recorded zero visibility, affecting services.

Meanwhile, the weather department's 7-day forecast

indicates that from Wednesday, the minimum temperature will start dipping, and by Friday, it is expected to drop to 5 degrees Celsius.

Anticipating dense to very dense fog conditions, the India Meteorological Department (IMD) has issued an orange warning for Delhi on Wednesday and a yellow alert for Thursday and Friday. In the past 24 hours, the maximum temperature in Delhi was recorded at 16.2 degrees Celsius, which is 2.8 degrees below normal, and the minimum temperature was 7.4 degrees, which was 5 degrees above normal. It marked a 3.1-notch fall from Tuesday's temperature.

On Tuesday, over 300 flights were delayed, and around 25 train services were disrupted due to blinding fog. States including Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Bihar, and Rajasthan, among others in the North Indian region, continued to be gripped by an extreme cold wave. In Rajasthan's Nagaur, the minimum temperature was recorded at 2.5 degrees Celsius.

'Sheeshmahal' Showdown: AAP vs BJP Over Media Tour Of Chief Minister Home

New Delhi. Dramatic scenes played out outside the Delhi Chief Minister's residence today when Aam Aadmi Party (AAP) leaders reached there to "show the truth" about BJP's "Sheeshmahal" charge.Determined to score big in the upcoming Delhi election, the BJP has accused AAP leader Arvind Kejriwal of spending public money on a luxurious upgrade of the bungalow on 6, Flagstaff Road. To turn the tables, AAP said its leaders would visit the Civil Lines bungalow with the media and then head to the Prime Minister's residence on 7, Lok Kalyan Marg, to show the revamp there. When AAP MP Sanjay Singh and Delhi minister Saurabh Bharadwaj reached the bungalow with mediapersons, police stopped them, citing a law and order situation. Mr Singh was seen telling a senior officer why police were stopping them. He also said stopping

them amounted to a breach of privilege

of an MP and a cabinet minister.

'Why can't we be allowed inside? BJP is spreading misinformation that there is a golden toilet, swimming pool, minibar, so show us and show them (media)," Mr Singh has heard saying.Mr Bharadwaj was seen asking whose directions they were being stopped on. "Only person above me is the Lieutenant Governor. Who has given you the direction (to stop us)?"The BJP's lie has been exposed, it is now proved that BJP is Bharatiya Jhootha Party. For months, BJP has been saying there is a golden toilet, swimming pool and minibar in this Chief Minister's residence. We brought you here today. Have you seen? For just two people, they have placed water cannons, so many cops. Are we terrorists? Why are they stopping us? This means BJP is lying. We will wait here for 10 minutes, if the BJP is telling the truth, they should open the Chief Minister's residence and allow us

inside," Mr Singh said.Later, the AAP leaders headed to the Prime Minister's

residence, but were stopped. The Delhi Chief Minister's official residence has been vacant since Mr Kejriwal stepped down after being granted bail in a corruption case linked to the now-scrapped liquor policy. The AAP leader has said he would return to the top job only after the "people's court" verdict. The BJP has been targeting the AAP with 'Sheeshmahal' jabs and a CAG report has given it fresh ammo. The report, filed by Girish Chandra Murmu who retired in November, pointed to a four-fold jump between budgeting for the renovation and the final cost.Leading the BJP charge, Prime Minister Narendra Modi has said, "You will be shocked to know that when Delhi residents were fighting Covid, wandering in search of oxygen and medicines, their (AAP) focus was on the building Sheesh Mahal.'

creates extensive fault lines across the Tibetan plateau, resulting in frequent, often devastating earthquakes.

Rescue efforts have been hampered by the region's rugged terrain and remote location. Emergency workers are racing to deliver aid to isolated communities, navigating through debris-strewn streets and damaged infrastructure. Visuals from the affected areas show piles of rubble, crushed vehicles, and devastated homes. More than 1,000 homes have been damaged in the sparsely populated region, leaving many without shelter. Rescue teams have been seen climbing mounds of rubble and using ladders in heavily affected villages to search for survivors. The high altitude, averaging 4,200 meters (13,800 feet), adds to the challenges faced by emergency responders.

Seismologists are closely monitoring the situation, warning of potential aftershocks and advising residents to remain vigilant.

According to Chinese state media, about 6,900 people reside in three townships and 27 villages within 20 kilometres of the epicentre. The unfolding tragedy underscores the urgent need for disaster preparedness and mitigation in this seismically active region.

Simultaneous Polls: Parliamentary **Panel Holds First Meeting**

New Delhi. The parliamentary panel constituted to scrutinise the two bills on simultaneous elections held its first meeting on Wednesday. Officials of the Ministry of Law and Justice are briefing the panel members on the provisions of the proposed laws, sources said.

Headed by BJP MP PP Chaudhary, the 39-

member joint committee of Parliament comprises members from all major parties, including Priyanka Gandhi Vadra from Congress, Sanjay Jha from JD(U), Shiv Sena's Shrikant Shinde, AAP's Sanjay Singh, and



Kalyan Banerjee from Trinamool Congress.

Mr Chaudhary is a former minister of state for law. The Constitution (129th Amendment) Bill and the Union Territories Laws (Amendment) Bill

were introduced in the Lok Sabha during the recent to the committee.

The government decided to increase the committee's strength from 31 to 39, as more political parties expressed their desire to be part of the exercise to examine the two draft legislations on simultaneous elections.

Former Union ministers Anurag Thakur, Parshottam Rupala and Manish Tewari

and several other lawmakers, including Anil Baluni, Bansuri Swaraj and Sambit Patra, are also members of the committee. The panel has 27 members from the Lok Sabha and 12 from the Rajya Sabha.

Body of miner recovered from flooded coal mine in Assam, 8 still trapped

New Delhi. Multiple agencies, including the Navy and the National Disaster Response Force (NDRF), continued operations on Wednesday to rescue the eight remaining workers trapped in the flooded

Winter Session and referred The victim has been identified as Ganga Bahadur Srestho from Nepal.Meanwhile, multiple agencies, including the Navy and the National Disaster Response Force (NDRF), are continuing operations to rescue the eight remaining workers struck in the flooded mine.

> While the State Disaster Response Force (SDRF) has sent de-watering pumps to assist with the rescue operations, one from the Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) is awaiting weather clearance.On Wednesday, the Navy mobilised a specialised team, comprising one officer and 11 sailors, who are highly trained clearance divers skilled in deep-depth diving and recovery

> The team, which is currently on the spot, is carrying specialised equipment such as deep diving gear and underwater Remotely Operated Vehicles (ROVs). The operation, however, has been fraught with challenges. Rescuers have had to navigate narrow and unstable shafts, strong water currents, and debris, all while working in near-zero visibility.

Domestic Airlines May Soon Have To Share Weather Data With Weather Office

The earth sciences ministry secretary said weather forecasts depended largely on the number of observations collected.

New Delhi. The government is planning to make it mandatory for domestic airlines to share weather data captured by aircraft during takeoff and landing with the IMD, which senior officials say will significantly enhance forecasting capabilities.M Ravichandran, secretary in the Union Ministry of Earth Sciences, told PTI that his ministry had been in discussions with the civil aviation ministry on the matter, and providing weather data would be "made mandatory for domestic airlines within a year"."It has to be mandatory... It will not only be

very useful for airline operations but also for weather forecasts everywhere," he said.

The earth sciences ministry secretary said weather forecasts depended largely on the number of observations collected.

'The more observations we have, the better our predictions can be. It is similar to an exit poll -- if you gather data from more places, you will get a clearer picture. In the same way, we aim to collect information on temperature, humidity, and wind wherever possible," he said.

Vertical weather observations (obtained from aircraft and weather balloons) are more important than ground observations because they provide a complete picture of the atmosphere, not just what is happening at the systems such as storms form and evolve in the atmosphere, where temperature, humidity and wind conditions at different



altitudes play a key role, he said.

surface, Ravichandran said. Weather The India Meteorological Department (IMD) launches weather balloons from 50-60 stations to collect critical data on temperature, humidity and wind at

various altitudes. Aircraft also record weather data during takeoff and landing. This data is transmitted to the ground in real-time and integrated into forecasting models. Unlike the limited number of weather balloons, thousands of aircraft can relay data. Ravichandran said all aircraft operating on international routes provided weather data because it was required by law.

However, not all domestic airlines do so

as it is not mandatory for them. He said many countries had made it mandatory for their airlines to provide this data and India needed to have a similar mechanism."The aircraft are already gathering the data. It would be a different issue if they were not doing

so," he said. 'Air connectivity is increasing tremendously in India, with each state having 10 to 15 airports. Our prediction capability will improve significantly if all domestic airlines start providing this crucial data," he added.

NEWS BOX

All hell will break out if hostages in Gaza are not freed': Trump warns Hamas

WASHINGTON: US President-elect Donald Trump has warned that all hell will break out in the Middle East if the hostages being held by Hamas are not released by Inauguration Day, repeating the threat four times. Trump did not elaborate on what actions he might take if the captives are not released by the time he takes office. Officials say about 100 hostages, including some Americans, who were seized on October 7, 2023, remain captive in Gaza, though they believe many of them may have died in captivity.

If those hostages aren't back, I don't want to hurt your negotiation, if they're not back by the time I get into office, all hell will break out in the Middle East, Trump told reporters at a news conference in Mara-Lago, Florida. Trump will be sworn in on January 20 as the 47th President of the United States.

He was responding to a question on the status of negotiations with Hamas on the release of American hostages. His Special Envoy to the Middle East Steven Charles Witkoff, who has just returned from the region, told reporters that they are on the verge of it.

I believe we've been on the verge of it. I don't want to discuss sort of what's delayed it, no point in being negative in any way. But I think it's the president, his stature, what he's said he expects, the red lines he's put out there, that's driving this negotiation, Witkoff said.

Noting that they are making a lot of progress, he said: I don't want to say too much because I think they're doing a really good job back in Doha.

I'm leaving tomorrow to go back to Doha. But I think that we've had some really great progress and I'm really hopeful that by the inauguration we'll have some good things to announce on behalf of the president. I actually believe that we're working in tandem in a really good way, but it's the president, his reputation, the things that he has said that are driving this negotiation. So hopefully it'll all work out and we'll save some lives, Witkoff said. Negotiations between Hamas and Israel are ongoing in Qatar, with Hamas this week naming 34 hostages in Gaza including two dual US citizens it would be willing to release in a ceasefire deal, the National Public Radio reported. Trump, in response to a question, warned Hamas to release all the hostages by January 20.

A seaplane crashes off an Australian tourist island, killing 3 and injuring 3 others

MELBOURNE, Australia: A seaplane crashed during takeoff from an Australian tourist island, killing three people including Swiss and Danish tourists and injuring three others. Only one of the seven people aboard the Cessna 208 Caravan was rescued without injury after the crash Tuesday afternoon on Rottnest Island, police said. The plane owned by Swan River Seaplanes was returning to its base in Perth, the Western Australia state capital 30 kilometers (19 miles) east of Rottnest Island, which is also known by its Indigenous name Wadjemup.

The dead were a 65-year-old Swiss woman, a 60-year-old man from Denmark and the 34-year-old male pilot from Perth, Western Australian Premier Roger Cook said. The dead tourists' partners, a 63-year-old Swiss man and a 58-year-old Danish woman, survived. A Western Australian couple, a woman aged 65 and a

63-year-old man, also survived.

It is not clear which passenger was uninjured. Western Australian Police Commissioner Col Blanch said no survivor sustained life-threatening injuries. The three injured people were flown to a Perth hospital.

Cook said the cause of the crash was not yet known. Reports that the plane had struck a rock at the entrance of a bay on the west side of the island could not be

confirmed from video viewed so far, Cook said.

Rottnest Island is renowned for its sandy beaches and cat-sized hopping marsupials called quokkas which are rare on the Australian mainland. The island's tourist accommodation is fully booked during the current Southern Hemisphere summer months. "Every Western Australian knows that Rottnest is our premier tourism destination," Cook told reporters. "For something so tragic to happen in front of so many people, at a place that provides so much joy, especially at this time of the year, is deeply upsetting," Cook added. Blanch said police divers had recovered the bodies on Tuesday night from a depth of 8 meters (26 feet). Wreckage of the plane was still being recovered.s

Man who exploded Tesla Cybertruck outside Trump hotel in Las Vegas used generative AI, police say

World The highly decorated soldier who exploded a Tesla Cybertruck outside the Trump hotel in Las Vegas used generative AI including ChatGPT to help plan the attack, Las Vegas police said Tuesday.

Nearly a week after 37-year-old Matthew Livelsberger fatally shot himself, officials said according to writings, he didn't intend to kill anyone else. An investigation of Livelsberger's searches through ChatGPT indicate he was looking for information on explosive targets, the speed at which certain rounds of ammunition would travel and whether fireworks were legal in Arizona.

Kevin McMahill, sheriff of the Las Vegas Metropolitan Police Department, called the use of generative AI a "game-changer" and said the department was sharing information with other law enforcement agencies."This is the first incident that I'm aware of on U.S. soil where ChatGPT is utilized to help an individual build a particular device," he said. "It's a concerning moment." In an emailed statement, OpenAI said it was committed to seeing its tools used "responsibly" and that they're designed to refuse harmful instructions."In this case, ChatGPT responded with information already publicly available on the internet and provided warnings against harmful or illegal activities. We're working with law enforcement to support their investigation," the emailed statement said.

Fast-moving wildfires rage across Los Angeles, destroying homes and prompting widespread evacuations

LOS ANGELES. A fast-moving wildfire broke out Tuesday in the inland foothills northeast of Los Angeles, just hours after another blaze tore through the city's Pacific Palisades neighborhood along the coast, destroying many homes and prompting evacuation orders for tens of thousands.

The Eaton fire in Altadena started near a nature preserve just before 6:30 p.m. The flames spread so rapidly that staff at a senior care center had to push dozens of residents in wheelchairs and hospital beds down the street to a parking lot, where they waited in their bedclothes for ambulances and other vehicles to take them to safety.

To the west, the Pacific Palisades fire that started Tuesday morning burned out of control into the night. The Los Angeles Fire Department issued a plea for off-duty firefighters to help fight the flames, which were being pushed by winds topping 60 mph (97 kph) in some places and creating chaotic scenes as residents fled. It was too windy for firefighting aircraft to fly, hampering the efforts. The Pacific Palisades fire swept through a Los Angeles hillside dotted with celebrity residences

Tuesday, burning homes and prompting evacuation orders. In the frantic rush to get to safety, roadways became clogged, and many people abandoned their vehicles and fled on foot, some toting suitcases.A resident of a senior center is evacuated as the Eaton Fire approaches Tuesday, Jan. 7, 2025 in Altadena, Calif. The traffic jam on Palisades Drive prevented emergency vehicles from getting through. A bulldozer was brought in to push abandoned cars to the side and create a path, according to the LA Fire Department. California Gov. Gavin Newso, who was in Southern California to attend the naming of a national monument by President Joe Biden, made a detour to the canyon to see "firsthand the impact of these swirling winds and embers." He said he found "not a few many structures already destroyed."Officials did not give an exact number of structures damaged or destroyed in the Pacific Palisades wildfire, but they said about 30,000 residents were under evacuation orders, and more than 13,000 structures were at risk. The worst could still be ahead. The blaze began around 10:30 a.m., shortly after the start of



a Santa Ana windstorm that the National Weather Service warned could be "life-threatening" and the strongest to hit Southern California in more than a decade. The exact cause of the fire was unknown, and no injuries had been reported, officials said. Firefighters hose down flames as the Palisades Fire destroys a residence in the Pacific Palisades neighborhood of Los Angeles, Tuesday, Jan. 7, 2025 Firefighters hose down flames as the Palisades Fire destroys a residence in the Pacific Palisades neighborhood of Los Angeles, Tuesday, Jan. 7, 2025 Photo | APAdvertisement Only about 25 miles (about 40 kilometers) northeast in Altadena. the Eaton fire was

burning. The winds were expected to increase overnight and continue for days, producing isolated gusts that could top 100 mph (160 kph) in mountains and foothills including areas that haven't seen substantial rain in months. "By no stretch of the imagination are we out of the woods," Newsom warned residents, saying the worst of the winds were expected between 10 p.m. Tuesday and 5 a.m. Wednesday. He declared a state of emergency on Tuesday.

As of Tuesday evening, 28,300 households were without power due to the strong winds, according to the mayor's office. About 15,000 utility customers in Southern California had their power shut off to reduce the risk of equipment sparking a blaze. A half a million customers were at risk of losing power preemptively.he Pacific Palisades fire quickly consumed about 4.6 square miles (11.6 square kilometers) of land in the Pacific Palisades neighborhood in western Los Angeles, sending up a dramatic plume of smoke visible across the city. Residents in Venice Beach, some 6 miles (10 kilometers) away, reported seeing the flames.

US Congressman

challenges Biden

administration's decision

to investigate Adani

WASHINGTON. Challenging the Biden

administration's decision to investigate the activities of Indian billionaire Gautam Adani, an influential

Republican lawmaker has said that such selective

actions risk damaging critical alliances with key

partners.In a strongly worded letter to US Attorney

General Merrick B. Garland, Congressman Lance

Gooden, a member of the House Judiciary

Committee, also asked, "What will the US do if India

refuses to comply with an extradition

request?"Gooden also demanded answers regarding

the Justice Department's selective prosecution of

foreign entities and the potential harm such actions

pose to the US's global alliances and economic

growth. He further inquired if there was any

Grief and nostalgia in India's 'Jimmy Carter village'

NEW DELHI. In a quiet village tucked in the shadow of India's capital, the late US president Jimmy Carter's name is etched for posterity.

Carterpuri, or the "village of Carter" was abruptly renamed from Daulatpur Nasirabad after an hour-long visit by the Nobel laureate in 1978.

The renaming was suggested by India's then-prime minister Morarji Desai who accompanied Carter on the visit to the small hamlet, some 30 kilometres (20 miles) from New Delhi."When the proposal was mooted, all the village elders immediately said yes," recalled 71-year-old resident Attar Singh, who vividly remembers the January afternoon from nearly half a century ago. One of the last surviving members from the generation old enough to remember the occasion, Singh said he was "distressed" by Carter's death last month, and played a key role in staging a small tribute ceremony.

A picture of the former president was quickly downloaded from the internet, framed, garlanded and placed at a local war memorial where a group of village elders made offerings of salty porridge



and a newly stitched traditional turban. Singh said the porridge and the turban, along with a condolence message, were then shipped to the US Embassy.

"The entire village grieved because we considered him as one of our own," said Rajiv Kumar, a younger resident who was a toddler when Carter visited.

The body of Carter, who died at the age of 100 last month, is currently lying in state in Washington and will be buried Thursday in his home state of Georgia.

- 'Such a big man' -

Carter's visit to the village, then home to less than 500 people, was not by chance. He was driven by a deeply personal mission: his mother Lillian

had worked in the village as a Peace Corps volunteer in the late 1960s.

The dilapidated mansion where Lillian stayed during her time there no longer exists. It was torn down around 15 years ago to make way for a concrete two-storey structure with a line of tiny shops on its ground floor.Little else from that era survives in Carterpuri, which now has a population of roughly 5,000.The village council office where Carter and his wife Eleanor Rosalynn Carter were feted while bedecked in traditional headgear, is now a community health centre.

Nonetheless, Carter's visit remains firmly imprinted in the memory of Carterpuri's old-timers."I was a little boy then but I remember everything," said 62-year-old Motiram, who goes by one name. His recollections include Carter smoking tobacco from a hookah and waving at the eager children who looked from the rooftops as he took a tour of the village. But Motiram's nostalgia is tinted with disillusionment. "Despite such a lofty name, our village has seen no progress in all these years,"

connection to George Soros.

"The Department of Justice's selective actions risk damaging critical alliances with key partners like India, one of America's strongest allies in the Asia-Pacific region," Gooden said in his letter dated January 7. "Instead of pursuing cases with tenuous jurisdiction and limited relevance to US interests, the DOJ should focus on punishing bad actors at home, rather than chasing rumors abroad," he added.

The five-term Republican lawmaker said that targeting

entities that invest tens of billions of dollars and create tens of thousands of jobs for Americans only harms the US in the long run."When we forego real threats from violent crime, economic espionage, and CCP influence and go after those who contribute to our economic growth, it discourages valuable new investors who are hopeful of investing in our country," he said."An unwelcome and politically charged atmosphere for investors will only stall efforts to revitalize America's industrial base and economic growth, directly undermining President Trump's commitment to reviving the economy with increased investments," he continued. "Given the timing of these decisions coinciding with the end of the Biden administration, concerns arise that the only true goal here is disruption for President Trump,' Gooden said. "Instead of expending valuable taxpayer resources on opening lengthy and perhaps politically motivated pursuits in foreign countries thousands of miles away, the Department should cooperate with the incoming administration on better serving the American people," he added. As a cog in the outgoing administration, it is your duty to the public to be mindful of not creating further complications that could compromise America's geopolitical eminence," Gooden said in the letter, two weeks ahead of the inauguration of Donald Trump as the 47th president of the United States on January 20."I am writing to inquire about the Department of Justice's (DOJ) recent selective pursuits of cases against foreign entities that could irreparably strain America's global alliances," he wrote.

Biden administration asks court to block plea deal for alleged mastermind of 9/11 attacks

WASHINGTON. The Biden administration asked a federal appeals court on Tuesday to block a plea agreement for accused 9/11 mastermind Khalid Sheikh Mohammed that would spare him the risk of the death penalty in one of the deadliest attacks ever on the United States.

The Justice Department argued in a brief filed with a federal appeals court in the District of Columbia that the government would be irreparably harmed if the guilty pleas were accepted for Mohammed and two codefendants in the Sept. 11, 2001, attacks. It said the government would be denied a chance for a public trial and the opportunity to "seek capital punishment against three men charged with a heinous act of mass murder that caused the death of thousands of people and shocked the nation and the world."

The Defense Department negotiated and approved the plea deal but later repudiated it. Attorneys for the defendants argue the deal is already legally in effect and that Defense

Secretary Lloyd Austin, who began the administration's efforts to throw it out, acted too late. When the appeal was filed Tuesday, family members of some the nearly 3,000 people killed in the al-



Qaida attacks already were gathered at the U.S. naval base in Guantanamo Bay, Cuba, to hear Mohammed's scheduled guilty plea Friday. The other two men, accused of lesser roles in 9/11, were due to enter them next week. Family members have been split on the deal, with some calling it the best resolution possible for a prosecution mired for more than a decade in pretrial hearings and legal and logistical difficulties.

Others demanded a trial and — they hoped — execution. Some legal experts have warned that the legal challenges posed by the case, including the men's torture under CIA custody after their

capture, could keep the aging detainees from ever facing verdicts and any possible sentences. Military prosecutors this summer notified families of the victims that the senior Pentagon of ficial overseeing Guantanamo had approved a plea deal after more than two years of negotiations. The deal was "the best path to finelity."

was "the best path to finality and justice," military prosecutors said. But some family members and Republican lawmakers condemned the deal and the Biden administration for reaching it. Austin has fought unsuccessfully since August to throw out the agreement, saying that a decision on death penalties in an attack as grave as the Sept. 11 plot should only be made by the defense secretary.

Israeli TV reporter regains his ability to speak with the help of Al

JERUSALEM. When renowned Israeli TV journalist Moshe Nussbaum lost his ability to speak clearly due to ALS, he thought his career might be over. However, with the help of artificial-intelligence software that recreates his iconic gravelly voice, Nussbaum known to generations of viewers simply as "Nussi" is making a comeback.Nussbaum, 71, was diagnosed two years ago with amyotrophic lateral sclerosis (ALS), also known as Lou Gehrig's disease, a progressive condition that attacks nerve cells controlling muscles throughout the body. At the time, he vowed to Channel 12 News viewers that he would continue working as long as he was physically able. But as time passed, it became increasingly difficult.

It was a devastating blow for the leading reporter, who had spent more than 40 years covering many of Israel's most important stories. Nussbaum had reported from the scenes of suicide bombings, the front lines of wars in Gaza and Lebanon, and covered high-profile scandals and court cases in Israel's parliament. After Hamas' October

7, 2023, attack, which triggered the war in Gaza, Nussbaum was unable to report from the field. It was the first war of his career that he had ever missed. Despite his difficulties with speaking and moving, he launched a segment interviewing injured soldiers in Israeli hospitals. His questions were slow and halting, but he continued for the first half of the war. However, as it became harder to be understood, his interviews became less frequent.

On Monday, Channel 12 announced that Nussbaum would return to the air in the coming weeks, with the help of AI.

"It took me a few moments to absorb it and understand that it is me speaking now," Nussbaum told The Associated Press via text message. "Slowly, I'm understanding the incredible meaning of this device for everyone with disabilities, including me." Nussbaum will write his stories, and an AI programme trained on his voice will allow him to deliver them. He will be filmed as if presenting, with his lips "technologically adjusted" to match the words. Unlike



traditional text-to-speech technology, which sounds robotic, the AI software mimics Nussbaum's intonations and phrasing by using recordings from his lengthy career in TV and radio.

Nussbaum is excited by the possibilities of the technology but also concerned about its potential misuse to spread fake news. In its current form, the technology doesn't work for live broadcasts, so Nussbaum will focus on commentary and analysis on crime and national security, areas of expertise from his decades of reporting.

Ahead of the broadcasts, Channel 12 released a preview featuring snippets of Nussbaum

speaking naturally garbled and difficult to understand followed by the new "Nussi AI," which sounds strikingly like the original Nussbaum, speaking quickly and emphatically. Honestly, this is my first time sitting here in the studio after more than a year," AI Nussbaum says in the preview. "It feels a bit strange, and mostly, it tues my heart "AI powered voice eleming." it tugs my heart."AI-powered voice cloning has rapidly advanced in recent years. Experts warn that the technology could enable phone scams, disrupt elections, and violate the dignity of individuals who did not consent to having their voices recreated. However, it also holds great promise for people who have lost their ability to speak clearly. Similar AI programmes have enabled a U.S. congresswoman with Parkinson's disease to deliver a speech and helped a woman who lost her voice due to a tumour. Channel 12 declined to disclose which AI programme it is using. Nussbaum had feared that ALS would rob him of the career he loved. In an interview with Channel 12, he recalled telling his managers.

www.thephotonnews.com Thursday, 09 January 2025

NEWS BOX Two-tier Test cricket system proposal fair Neymar says 2026 World Cup will be his last; hints at South Africa great Graeme Smith reacts reunion with Messi, Suarez

Brazilian football star Neymar has announced that the FIFA 2026 World Cup will be his last opportunity to compete on football's biggest stage. While injuries have limited his impact at Al-Hilal in Saudi Arabia, Neymar remains determined to represent Brazil and is optimistic about earning a spot in the squad for the tournament, which will be jointly hosted by Canada, the United States, and Mexico.Brazil currently sit fifth in the South American World Cup qualifiers, with six matches left to secure a top-six spot for automatic qualification. Neymar, sidelined since October 2023 due to a ruptured ACL and meniscus, remains hopeful about contributing to his national team's campaign. The 32-year-old forward, who recently became Brazil's all-time top scorer with 79 goals, described the upcoming World Cup as his "last shot" at glory. Speaking to CNN, Neymar said, "I will try, I want to be there. I will do everything I can to be part of the national team. This will be my last World Cup, my last shot, my last chance,

REUNION WITH MESSI?



and I will do everything I can to play in it."

Neymar's time at Al-Hilal has been marred by injuries, limiting him to just seven appearances since his move from Paris Saint-Germain (PSG) for a reported fee of €90 million in 2023. His contract with the Saudi Pro League club runs until June 2024, but Neymar hinted at future possibilities, including a move to Major League Soccer (MLS) and a reunion with former Barcelona teammates Lionel Messi and Luis Suarez at Inter Miami.Neymar, Messi, and Suarez famously formed one of football's most celebrated attacking trios, leading Barcelona to a historic treble in 2015 before Neymar's record-breaking transfer to Paris Saint-Germain for €222 million (\$230.39 million)

Reflecting on the prospect of reuniting with his friends, Neymar said, "Obviously, playing again with Messi and Suarez would be incredible. They are my friends, we still speak to each other. It would be interesting to revive this trio. I'm happy at Al-Hilal, I'm happy in Saudi Arabia, but who knows. Football is full of surprises."

Sam Konstas admits provoking Jasprit **Bumrah in Sydney Test:** It was my fault

New Delhi. Australia's Sam Konstas admitted to provoking Jasprit Bumrah on Day 1 of the fifth Test in Sydney, a move that ultimately backfired when the Indian pacer dismissed Usman Khawaja on the last delivery of the day. With 15 minutes left in the day's play, Australian openers Usman Khawaja and Konstas faced the daunting task of surviving against Bumrah and Mohammed Siraj on a lively SCG track. A minor interruption from Khawaja, who stepped away to slow things down, seemingly irked Bumrah. However, it was Konstas at the non-striker's end who escalated the tension by engaging in a verbal exchange with the Indian stand-in captain. The heated moment ended with the umpire's intervention. On the very next delivery,



Bumrah dismissed Khawaja with a sharp delivery that caught the edge, sending the Indian team into wild celebrations. Bumrah then stepped toward Konstas in celebration but refrained from further escalation.

Reflecting on the incident, Konstas admitted his role in the sequence of events. Speaking to Triple M, he said, "I didn't get too fazed. Unfortunately, Uzi got out. He was trying to buy some time. It was probably my fault, but it happens. It's cricket. Credit to Bumrah for the wicket, but overall, it was a great team performance."

Konstas was a polarising figure in his debut series. From riling up Bumrah to theatrically egging on a crowd of 90,000 after a maiden half-century, the teenager has left his mark. His audacity was further highlighted in Melbourne, where he reverse-ramped Bumrah for four, setting the tone for a memorable debut series. However, his antics haven't always been welcomed. Virat Kohli's shoulder charge in the previous Test-aimed at Konstas-sparked widespread criticism and earned Kohli a fine.

"No, I was very calm. I was talking to my parents and teammates. Uzi (Khawaja) mentioned my adrenaline was pumped when batting, but I didn't feel it. Still, it was a great debut, and I'm happy with two wins."

Former South Africa captain Graeme Smith said teams like South Africa, West Indies and Sri Lanka need to be strong to ensure Test cricket remains competitive. The legendary cricketer expressed concerns about the reportedly proposed idea of a two-tier system for the traditional format.

New Delhi. Legendary South African cricketer Graeme Smith has expressed concerns about the idea of a two-tier system for Test cricket—an idea reportedly under discussion by cricket powerhouses India, Australia, and England, alongside newly elected International Cricket Council (ICC) chairman Jay Shah. Smith pointed out that no other sport limits competition to just the top three teams, while also stressing the importance of ensuring well-matched contests in Test cricket.Legendary South African cricketer Graeme Smith has expressed concerns about the idea of a two-tier system for Test cricket—an idea reportedly under discussion by cricket powerhouses India, Australia, and England, alongside newly elected International Cricket Council (ICC) chairman Jay Shah. Smith pointed out that no other sport limits competition to just the top three teams, while

also stressing the importance of ensuring well-matched contests in Test cricket."I also do feel for the ICC. I was just looking at a note this morning about how much England and India are playing each other over the next period, and Australia and vice versa. It gets extremely hard for the other nations... India are probably the best because they are commercially so reliable for the other nations. But where do you find the top three nations playing each other all the time? And you can only imagine in the next FTP cycle how that's been tied up in the background," Smith said during an appearance on Sky Cricket.



"How does the ICC create a structure that's fair in the top three's eyes? I think what world cricket needs is South Africa to be strong, the West Indies to be strong, and Sri Lanka to improve. Otherwise, can you see a world where there are only three nations playing cricket in the future?" he

DO WHAT YOU HAVE GOT TO DO: **SMITH**

Former cricketers like Ravi Shastri and Michael Vaughan have endorsed the idea, saying Test cricket needs more competitive contests for its survival. The recent blockbuster between India and

clause, while PSG also looms as a potential

destination. A move could offer Rashford

the chance to revive his form and escape

ictor Osimhen - Manchester

Victor Osimhen has emerged as a potential target for Manchester United in the

Old Trafford's recent turbulence.

Australia, which drew record crowds in Australia, was a great advertisement for the longest format of the game. The former South African captain, who played a pivotal role in the team's dominance in Test cricket during the last decade, emphasised the need for all teams to prioritise the format. He also highlighted South Africa's success in the current World Test Championship (WTC) cycle as an example."My answer to that

would be, we [South Africa] are in the World Test Championship (WTC) final; we've got a chance to win the mace. I think that's the key," he stated. "You've got to do what you've got to do, and South Africa have done that. I think over the last couple of years, their win percentages are actually pretty decent if you go and look over a period of time."

For the first time in history, South Africa reached the WTC final, finishing the 2023-25 cycle at the top of the points table. They are set to face Australia in the final at Lord's in London this June.

Didier Deschamps to step down as France manager after 2026 FIFA World Cup

Didier Deschamps, France's longest serving national team coach, will not seek to renew his contract which expires in 2026, the French soccer federation (FFF) told Reuters on Tuesday. Deschamps' deal runs until after the next World Cup, for which Les Bleus have yet to qualify. The 56-year-old took over from fellow 1998 World Cup winner Laurent Blanc in 2012 and led Les Bleus to the World Cup title in 2018, two years after reaching the European Championship final on home soil.Didier Deschamps, France's longest serving national team coach, will not seek to renew his contract which expires in 2026, the French soccer federation (FFF) told Reuters on Tuesday.Deschamps' deal runs until after the next World Cup, for which Les Bleus have yet to qualify. The 56-year-old took over from fellow 1998 World Cup winner Laurent Blanc in 2012 and led Les Bleus to the World Cup title in 2018, two years after reaching the European Championship final on home soil.A defensive midfielder nicknamed 'the water carrier' by Eric Cantona, Deschamps was a

Premier League: 7 potential January transfer deals to watch out for

New Delhi The January transfer window has long been a source of excitement and intrigue for Premier League fans, known for delivering unexpected twists and marquee signings. While the 2024 window unfolded with little fanfare globally, 2025 promises to reignite the buzz, especially in England's top flight, where key clubs look poised to make strategic moves. Manchester United, eager to rectify their early-season struggles, is expected to be active, with rumors swirling about high-profile arrivals. Liverpool, in the midst of a title race, may seek to fortify their midfield further, ensuring they remain in contention. Meanwhile, Manchester City, grappling with injuries and a packed fixture list, could dive into the market to bolster their squad depth for a grueling campaign. The stakes couldn't be higher, with the second half of the season likely to determine the fortunes of many. From potential big-money arrivals to surprise exits, the Premier League's January dealings seem destined to deliver



drama, leaving fans glued to the headlines as their clubs plot crucial reinforcements. Marcus Rashford's uncertain future at Manchester United has become a hot topic this transfer window. The England star, sidelined by manager Ruben Amorim since December, recently returned for a surprise appearance against Newcastle United but remains on the fringes. With three years left on his £325,000-a-week contract, few clubs can afford Rashford outright. Borussia Dortmund and AC Milan are exploring loan options with a purchase

upcoming January transfer window. The Nigerian forward, on loan at Galatasaray,

has been in remarkable form, netting nine goals and assisting three in just 11 Super Lig appearances. While Napoli retain control over the 22-year-old's future, they could recall him next month to facilitate a permanent transfer. Manchester United reportedly view Osimhen as a prime candidate to strengthen their attack and are optimistic about agreeing to personal terms. However, Napoli's €75 million asking price could prove to be a stumbling block in sealing the deal. United's interest underscores their determination to secure dynamic young talent as they aim to enhance

Sam Konstas reveals surprise chat with 'legend' Virat Kohli after MCG drama

Konstas has revealed his surprise postmatch exchange with Indian batting great Virat Kohli following their fiery encounter during the high-octane Boxing Day Test. Despite the heated moments on the field,

Konstas revealed a heartwarming post-match exchange with Kohli and reflected on the lessons from his fiery showdown with India's ace pacer Jasprit Bumrah. The Boxing Day Test was a spectacle from the outset, with 19-year-old Konstas standing his ground against Bumrah, who was in scintillating form. Konstas stunned the crowd with audacious ramp shots, scoring 34 of his 60 runs off Bumrah and proving his mettle on cricket's grand stage. The confrontation escalated when an on-field collision between Konstas and Kohli led to a heated verbal exchange, intensifying the already charged atmosphere."I

had a little chat after the game telling him that I idolise him, and it's obviously a huge honour playing against him," Konstas told News Corp. "He just had that presence about I've idolised him from a young age and he's a at the top of the order, turning to young legend of the game."Konstas described Kohli as "down to earth" and revealed that the Indian stalwart wished him well for the upcoming Sri Lanka tour. "He was very kind



and wished me all the best. He even said he hoped I did well if I got selected for the Sri Lanka series. My whole family loves Virat, and he has been my idol from a young age. He's truly a legend of the game."

him...[and] he was very down to earth. A After David Warner's retirement, Australia

New Delhi. Young Australian opener Sam lovely person, just wishing me all the best. sought a reliable partner for Usman Khawaja Konstas for the final two matches of the Border-Gavaskar Trophy. Konstas rewarded their faith with a scintillating debut, scoring

a stroke-filled 60 off just 65 balls. His audacious knock included stunning ramp shots that saw him dispatch Jasprit Bumrah for a six and a four, leaving the Indian pacer visibly surprised. Konstas' aggressive approach not only rattled the Indian bowling attack but also sparked heated exchanges with Indian players, particularly Virat Kohli and Bumrah.

Konstas's performance in the Border-Gavaskar Trophy showcased his potential, with 113 runs in four innings at a strike rate knock against Bumrah's fiery spells highlighted his fearless

approach. Konstas also made significant contributions during Australia's ICC U19 World Cup 2024 triumph and the preceding Australia A series, underlining his rise as a promising talent in Australian cricket.



winning machine and under his guidance as coach, France were at times boringly efficient and at others brilliant, beating Argentina 4-3 in the 2018 World Cup round of 16 and Croatia 4-2 in the final.

While Deschamps' side has boasted the thrilling attacking talent of Kylian Mbappe, his teams have also shown grit and unmatched defensive ability when it mattered most.

of over 81. His standout 60-run It is uncertain who will succeed him but Zinedine Zidane is the heavy favourite for the job."It's a wise decision. I didn't send anything and I won't send anything (to Zidane). But of course we all hope it will be him after 2026." Christophe Dugarry, a former teammate of both Zidane and Deschamps and one of the latter's most vocal critics, told RMC Radio.

Mikel Arteta blames Carabao Cup ball for Arsenal's 0-2 loss to Newcastle United

Mikel Arteta believes Arsenal's inability to adjust to the Carabao Cup ball played a role in Tuesday's 2-0 semifinal, first-leg loss against Newcastle United.

New Delhi. Arsenal manager Mikel Arteta made surprising remarks about the match ball following his team's 2-0 defeat to Newcastle United in the Carabao Cup semi-final first leg. The competition uses a Puma ball, unlike the Nike ball used in the Premier League, and Arteta hinted that this difference may have impacted his players' performance. Alexander Isak was pivotal for Newcastle, scoring his 50th goal for the club just before halftime and playing a key role in Anthony Gordon's second-half goal. Despite



Arsenal's dominance in chances—registering 23 shots with only three on target—they failed to capitalise, hitting the woodwork and squandering opportunities, including a glaring miss by

Kai Havertz.Arteta, addressing the missed chances, said, "We also kicked a lot of balls over the bar, and it's tricky that these balls fly a lot, so there are details we can do better." When pressed, he elaborated on the ball's

differences: "It's very different to the Premier League ball. It flies differently, the grip is different as well, so you have to adapt to that."In every other aspect we were the better team but it's about scoring goals," Arsenal manager Mikel Arteta said. "Credit to them, they defended their box very well. We had the chances but at this stage, a semi-final, you have to be clinical.

Isak has been in sensational form recently, netting 10 goals in his last nine appearances for the club. Newcastle United manager Eddie Howe praised the Swedish striker's "electric" first-half display but revealed concerns over a hamstring issue that limited his second-half involvement. Howe expressed hope that Isak would recover in time for the second leg at St James' Park on February 5."First half he was electric, I thought he played really well. He scored but I just thought his general game was in a really good place," Newcastle manager Eddie Howe said.



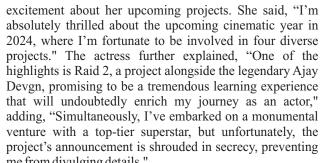
laani Kapoor

Is All Set To Make 2025 Unforgettable

ollywood actress Vaani Kapoor has multiple projects in her pipeline this year. And it seems she has already begun working. Recently, the actress was spotted outside the Maddock Films production house, which left us wondering about her upcoming collaboration. Reportedly, she has four diverse films in her kitty- Navjot Gulati's Badtameez Gill, Ajay Devgn starrer Raid 2, a romantic comedy Abir Gulaal and Maddock Films' Sarvagunn Sampann.In a video making rounds on the Internet, Vaani Kapoor Vaani then went on to talk about her collaboration with

was spotted interacting with the paps outside the Maddock Films production house in Santacruz, Mumbai. She was seen waving at the paps and flaunting her radiant smile, which echoes the emotion of the actress that she is

content with her work and life. She looked stylish in a black V-neck top layered with a matching-hued jacket and a pair of denim pants. The Shamshera fame accessorised her look with a pair of block heels, subtle makeup, and open hair. She also carried a mini leather arm candy to amp up her style game. Earlier, in an interview with ANI, Vaani Kapoor shared her



perfection worthy of applause. For the practice

session, she wore a vibrant pink midi dress

featuring full sleeves, a collared neckline,

buttoned closure till the waist and a fit and flare silhouette. To ensure comfort, she

wore a pair of sneakers but it was her red socks that caught all our attention. Ever since the song Dabidi Dibidi was

released, social media users have been questioning the dance moves, calling them 'cringe'. Before this, social media users also highlighted the age difference between the protagonists of the film Nanadamuri Balakrishna and Urvashi

> Addressing the same in an interview, Urvashi earlier told iDiva, "I'm paired opposite Balakrishna garu, and between us, the age gap is... He's in his 60s or 70s, and it's

history of Indian cinema.

me from divulging details."

Sarvagunn Sampann and said, "Sarvagunn Sampann, a film where I take on the lead role, which is set to hit the screens, offering audiences a glimpse into one of my most challenging multifaceted roles." In Sarvagunn Sampanna, Vaani will be essaying the role of a porn star lookalike, as per ANI. The film is set in the 90s and blends comedy with a fresh perspective on contemporary issues.Not only this, the Khel Khel Mein actress also has an OTT project lined up in her pipeline. She is set to make a web series debut

with Mandala Murders, bankrolled by Yash Raj Films. Talking about the same, in the same conversation, she expressed, "Furthermore, I'm stepping into the world of streaming with YRF's tentpole series of the year, Mandala Murders, helmed by the ingenious Gopi Puthran, known for his work on Mardaani 2 (also the writer of Mardaani)," adding, "The anticipation is high and I'm eager for audiences to witness the diversity and strength I like to bring as an actor. Here's to crossing my fingers for the success of these exciting releases."

Shriya Saran Is A Hands-On Mother To Radha, Video Inside



hriya Saran is a devoted mother to her adorable daughter Radha, and their bond is simply heartwarming. The actress, often seen cherishing moments with her little one, was recently spotted walking through the streets of Mumbai with Radha. The way she guided her daughter towards a restaurant melted our hearts. In a video that surfaced online, Shriya playfully encouraged Radha to pose for the paparazzi. A little shy, the cute munchkin was reluctant to do so.

The video opens with Shriya Saran and her daughter Radha getting out of their car and making their way towards the restaurant in Bandra. Holding a toy, Radha looked cute in a dress paired with matching sandals. On the other hand, the proud mother donned a red fitted top and printed midi skirt. Her brown espadrilles, open tresses and sleek golden accessories added the finishing touch. Before this, Shriya Saran also shared a heartwarming video of her daughter on Instagram. In the video shared last week, little Radha is seen imitating the iconic dialogue Jhukega Nahi Saala from the blockbuster film Pushpa: The Rise. The film, starring Allu Arjun and Rashmika Mandanna has been a rage with the recent release of its second installment, Pushpa 2, only adding to its fanbase.

Dressed in a cute navy blue outfit, the little bundle of joy perfectly mimics the hand gesture, made by Allu Arjun in the film. Her expressions and confidence as she performed the iconic dialogue are impressive, we must add. In the caption of the video, Shriya wrote, "Radha has got the Pushpa fever on", followed by mentioning that her daughter has not even watched the movie yet.

In terms of work, Shriya Saran last appeared in the Disney+ Hotstar series titled Showtime. Directed by Mihir Desai and Archit Kumar, the web series boasts a star-studded cast including Naseeruddin Shah, Emraan Hashmi, Mahima Makwana, Mouni Roy, Rajeev Khandelwal, Shriya Saran and Vishal Vashishtha. Produced by Karan Johar, Apoorva Mehta, Somen Mishra, and Mihir Desai under the Dharmatic Entertainment banner, the series was released on March 8.

Janhvi, Khushi Kapoor Drop Fun Video On Loveyapa Song, Boney Kapoor's Cameo Wins Hearts



hushi Kapoor and Junaid Khan will be sharing the screen in their next rom-com Loveyapa. The first song has been released and it has been getting an overwhelming response from the audience. Well, to make it more special Janhvi Kapoor and Khushi dropped a fun video on the song. But what grabbed everyone's attention was Boney Kapoor's cameo. Arjun Kapoor, Varun Dhawan and others also reacted to it. Taking their Instagram handles, Janhvi and Khushi shared a video in which both are seen recreating the hook step of the song. And from the back we can see Boney Kapoor doing 'aaaa'. "Nikla tha love karne par papa aagaya #Loveyapa." Arjun Kapoor wrote, "best alaap ever!!!" Varun Dhawan dropped laughing emojis. Aaliyah Kashyap wrote, "too good." Fans called it cute video.

Speaking to ANI, Aamir Khan expressed his admiration for the film and its cast. He said, "I have watched the rough cut. I liked this film. It is very entertaining.

The way our lives have turned out these days due to cellphones, and the interesting things that happen in our life due to this have been shown here. All the actors have done a good job. When I watched the film and saw Khushi (Kapoor), I felt that I was watching Sridevi. Her energy was there, I could see. I am a huge fan of Sridevi."Loveyapa is slated to release on February 7, 2025. Directed by Advait Chandan, who previously helmed Laal Singh Chaddha, the romantic comedy is produced by Phantom Studios and AGS Entertainment, with global distribution by Zee Studios. Touted as a heartwarming modern love story, the film promises lively music, stunning visuals, and unforgettable performances.

Reportedly, Loveyapa is a remake of the 2022 Tamil hit Love Today, which was directed by and starred Pradeep Ranganathan. The film explores how modern relationships are shaped by the omnipresence of technology, a theme that resonates with today's audiences. The first leg of the shoot wrapped in Mumbai, followed by a schedule in Delhi, where Junaid and Khushi filmed key sequences. With their chemistry already sparking excitement, Loveyapa is shaping up to be one of the most anticipated releases of the year.